डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

सिनेमाःरोहित शेट्टी ने इस हफ्ते दो कंटेस्टेंट्स को किया बाहर....

वर्ष -08 अंक -171 | प्रयागराज, मंगलवार 20 सितम्बर, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

महसा अमिनी की मौत पर भड़कीं ईरानी महिलाएं

तेहरान। ईरानी नागरिक महसा अमिनी की पुलिस कस्टडी में मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। महसा अमिनी के समर्थन में ईरान की महिलाओं ने अब विरोध जताना शुरू कर दिया है। इस बीच, ईरानी महिलाएं महसा अमिनी के समर्थन में अपने बालों को काट रही हैं। एक ईरानी पत्रकार और कार्यकर्ता मसीह अलीनेजाद ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर महिलाओं के बाल काटते हुए वीडियो को साझा किया है। ईरानी पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने वीडियो ट्वीट कर लिखा कि महसा

अमिनी की हत्या के विरोध में ईरानी महिलाएं अपने बाल काटकर और हिजाब जलाकर विरोध कर रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि 7 साल की उम्र से अगर हम अपने बालों को नहीं ढकते हैं, तो हम स्कूल नहीं जा पाएंगे या नौकरी नहीं कर सकेंगे। हम इस रंगभेद व्यवस्था से तंग आ चुके हैं। एक अन्य ट्वीट में ईरानी पत्रकार ने तेहरान विश्वविद्यालय के वीडियो को साझा किया। उन्होंने लिखा कि पुलिस कस्टडी में हुई महसा अमिनी की हत्या के विरोध में सैकड़ों छात्र विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि ये सभी महसा अमिनी की मौत से काफी दुखी हैं। अलीनेजाद ने एक और ट्वीट में कहा कि कल सुरक्षा बलों ने साघेज शहर में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं, लेकिन अब तेहरान भी इस विरोध में शामिल हो गया है।

सीसीए और कश्मीरी पंडितों की हत्या की एसआईटी जांच समेत इन 10 महत्वपूर्ण मामलों में आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को नागरिकता संशोधन कानून समेत दस विशेष मामलों में सुनवाई होनी है। यह जानकारी समाचार एजेंसी पीटीआई ने दी है। सुप्रीम कोर्ट आज नागरिकता संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करेगा। इस मामले में 200 से ज्यादा याचिकाएं लंबित हैं। सीएए समेत दस सभी मामलों पर चीफ जस्टिस यूयू ललित और जस्टिस रवींद्र भट की पीठ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में आज जिन दस मामलों पर सुनवाई होनी है। आइये डालते हैं उन मामलों पर एक नज नागरिकता संशोधन कानून मामले पर 12 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, लेकिन समय की कमी की वजह से इसे आगे के लिए टाल दिया गया था। सीएए के खिलाफ याचिकाओं पर पहली बार 18 दिसंबर 2019 को सुनवाई हुई थी। आखिरी बार 15 जून 2021 को हुई थी 2. कश्मीरी पंडितों की हत्याओं की एसआईटी जांच की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट आज सुनवाई करेगा। इस मामले में 2 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू कश्मीर में 1989 से 2003 के बीच हुई हिंदुओं और सिखों की हत्याओं की एफ्ड जांच और विस्थापितों के पुनर्वास की मांग पर विचार करने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने याचिकाकर्ता संस्था 'वी द सिटीजन्स' से कहा था कि वह इस बारे में केंद्र सरकार को ज्ञापन दे। 3. सुप्रीम कोर्ट ने 'मौत की सजा को लागू करते समय संभावित कम करने वाली परिस्थितियों के बारे में दिशानिर्देश तैयार करने' से संबंधित एक स्व-प्रेरणा याचिका पर अपना फैसला सुनाने वाला है। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने 17 अगस्त को अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा था कि मौत की सजा अपरिवर्तनीय है और आरोपी को परिस्थितियों को कम करने पर विचार करने के लिए हर अवसर दिया जाना चाहिए, ताकि कोर्ट यह निष्कर्ष निकाले कि मृत्युदंड की जरूरत नहीं है।

पुलिस ने शारीरिक हमले का मामला इसलिए दर्ज नहीं किया क्योंकि सीएम शामिल थे

(आधुनिक समाचार सेवा)

कोच्चि (केरल)। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को केरल पुलिस पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केरल पुलिस ने

उन पर शारीरिक हमले के तीन साल पुराने मामले में मामला दर्ज नहीं किया क्योंकि इस मामले में मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन शामिल थे।राज्यपाल खान ने मीडियाकर्मियों से कहा, अगर पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया, तो यह गृह मंत्री के प्रभारी के कारण था, जो वर्तमान में राज्य के मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने विशेष रूप से उन्हें (पुलिस को) इसकी रिपोर्ट नहीं करने का निर्देश दिया था। उन्होंने कहा, मैं कल वे सभी पत्र पेश करने जा रहा हूं जो सीएम ने मुझे लिखे थे। मैं अन्य चीजों के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं जहां उन्होंने मुझसे एहसान मांगा है। उन्होंने जो लिखा है उसके बारे में ही बात करूंगा, जहां उन्होंने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालयों में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। अब हस्तक्षेप हो रहा है और वे विश्वविद्यालयों पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, तीन साल पहले उन पर हुए हमले का जिक्र करते हुए राज्यपाल खान ने आरोप लगाया कि कन्नूर विश्वविद्यालय के कुलपति का इस्तेमाल उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए किया गया ताकि उन पर हमला किया जा सके।

पंजाब, हरियाणा और यूपी बताएं, कैसे लगाएंगे पराली जलाने पर लगाम

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। इस बार सर्दियों में दिल्ली-एनसीआर का दम न घुटे, इसके लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से पराली प्रबंधन पर पुख्ता एवं प्रभावी एक्शन प्लान तैयार करने को कहा है। राजस्थान व दिल्ली सरकार से भी पराली से होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए कारगर कार्ययोजना बनाने को कहा है। पांचों राज्यों से हर सप्ताह पराली प्रबंधन को लेकर एक्शन टेकन रिपोर्ट देने को कहा गया है। पहली साप्ताहिक रिपोर्ट 22 सितंबर को देनी होगी। गौरतलब है कि सितंबर से ही दिल्ली-एनसीआर के मौसम में बदलाव और वायु गुणवत्ता खराब होने की शुरुआत हो जाती है। अक्टूबर में पराली जलाने की घटनाएं जोर पकड़ने लगती हैं। इससे निपटने की तैयारी करने के लिए बहुत ही कम समय शेष बचा है। ऐसे में सीएक्यूएम का मानना है कि अगर समय रहते तैयारी कर ली जाए तो पराली के धुएं से होने वाले प्रदूषण को रोका जा सकता है। इसी के मद्देनजर सीएक्यूएम ने पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से एक सख्त और प्रभावी एक्शन प्लान तैयार करने को कहा है। साथ ही इस प्लान के क्रियान्वयन की समयबद्ध समीक्षा व बारीक निगरानी करने का निर्देश भी दिया है। दिल्ली और राजस्थान में बहुत ज्यादा पराली नहीं जलाई जाती, लेकिन इन दोनों राज्यों को भी पराली से होने वाले वायु प्रदूषण को रोकने के लिए हरसंभव उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को शाही परंपरा के साथ दी गई अंतिम विदाई

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की अंत्योष्टि आज राजकीय सम्मान के साथ किया जा रहा है। महारानी का ताबूत फ्यूनरल सर्विस के बाद वेस्टमिंस्टर एबी तक ले जाने समय शाही परिवार के सदस्य मौजूद थे। महारानी के ताबूत को वेस्टमिंस्टर हॉल से निकाल कर वेस्टमिंस्टर एबी, एक गन कैरिएज में ले जाया गया। जिसे

वेस्टमिंस्टर एबे से बाहर ले जाया गया। किंग चार्ल्स और अन्य वरिष्ठ रॉयल्स ताबूत के पीछे रहकर वेलिंगटन आर्क तक मार्च कर रहे हैं। महारानी के ताबूत को वेस्टमिंस्टर हॉल से 142 नवल सेलर्स खींचा। किंग चार्ल्स और उनके बेटे भी ताबूत के साथ चलते दिखाई दिए। महारानी का ताबूत फ्यूनरल सर्विस के बाद वेस्टमिंस्टर एबे से बाहर ले जाया गया।

सचिव अनुराग जैन ने कहा- उद्योग लगाने के लिए अब कुछ घंटों में पूरी हो जाती है भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआइआइटी) के सचिव अनुराग जैन के अनुसार प्रधानमंत्री गतिशक्ति कार्यक्रम पर अमल के बाद भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया काफी आसान हो गई। उन्होंने बताया कि पहले उद्योग लगाने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में महीनों लग जाते थे जबकि अब यह प्रक्रिया घंटों में पूरी हो रही है।

पीएम गतिशक्ति कार्यक्रम

उन्होंने बताया कि यह सब पीएम गतिशक्ति कार्यक्रम के तहत केंद्र और राज्य दोनों के डाटा को एक प्लेटफार्म पर एकत्र करने से संभव हो सका है। राज्यों की तरफ से 600 डाटा लेयर्स पीएम गतिशक्ति प्लेटफार्म पर हैं तो केंद्र की तरफ से 900 डाटा लेयर्स एकत्र हो चुके हैं।इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में तेजी लाने एवं प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए रेल, सड़क, संचार जैसे विभिन्न विभागों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से पीएम गतिशक्ति कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। इस प्लेटफार्म पर राज्यों की एजेंसियों को जोड़ा जा रहा है ताकि परियोजनाओं को पूरा करने के दौरान एक बार में ही विभिन्न विभागों से जुड़े कार्य को पूरा किया जा सके।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से की मुलाकात

(आधुनिक समाचार सेवा)

तिरुवनंतपुरम। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शनिवार को त्रिशूर में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात की। यह मुलाकात आरएसएस के एक नेता के आवास पर 30 मिनट तक चली। मालूम हो कि राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच विश्वविद्यालय कानून संशोधन विधेयक को लेकर हाल ही में हुई खींचतान के बीच यह बैठक हुई। विश्वविद्यालय नियुक्तियों पर राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 'अगर मैं देखता हूं कि सरकारी खजाने को लूटा जा रहा है तो आप मुझसे चुप रहने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं। राज्यपाल कार्यालय के सूत्रों ने कहा कि राज्यपाल का आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का एक शिष्टाचार मुलाकात थी। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने इस बैठक के बाद मीडिया से बात करने से भी इनकार कर दिया। इससे पहले खान ने शनिवार को कहा था कि विश्वविद्यालयों में सभी नियुक्तियां योग्यता के आधार पर ही की जाएंगी और वह राज्य सरकार को कुलपति नियुक्त करने का अधिकार नहीं देंगे। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मुझे एक पत्र लिखकर भरोसा दिया था कि इस मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा। हालांकि अब वे कुलपति की नियुक्ति की प्रस्ताव कर रहे हैं। इसका मतलब यह है कि राज्य की शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म होगा। उन्होंने कहा कि जब तक मैं यहां पर हूं तब तक विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता को खत्म नहीं होने दूंगा। उन्होंने आगे कहा कि अयोग्य लोगों को सिर्फ इसलिए नियुक्त नहीं किया जा सकता है क्योंकि वे सीएम से जुड़े हैं। मालूम हो कि विश्वविद्यालय कानून संशोधन विधेयक जिसका उद्देश्य कुलपतियों के चयन में राज्यपाल की शक्ति को कम करना है। इस महीने केरल सरकार द्वारा पारित किया गया था तभी से लेकर यह विधेयक राज्यपाल के पास लंबित है।

लंदन में बनीं पाकिस्तान के लिए भावी रणनीति

लंदन। पाकिस्तान की भावी राजनीति कैसी होगी इसको लेकर लंदन में एक हाईप्रोफाइल बैठक हुई है। ये बैठक पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ और उनके बड़े भाई नवाज शरीफ के बीच हुई है। बता दें कि पीएम शहबाज शरीफ ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ के अंतिम संस्कार के लिए लंदन गए

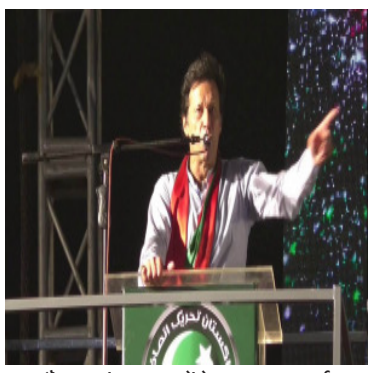

हुए हैं। यहां पर उन्होंने नवाज से पार्टी की भावी रणनीति पर चर्चा की है। इस चर्चा के केंद्र में इमरान खान की पार्टी पीटीआई रही। पाकिस्तान की मीडिया में ये बात भी सामने आई है कि दोनों नेताओं पंजाब में बनी गठबंधन सरकार को कैसे हटाकर वापस अपनी सरकार बनाई जाए और इसकी कमान दोबारा हमजा के हाथों में दी जाए। इस दौरान हुई बातचीत में देश में आम चुनावों को कराए जाने को लेकर भी काफी देर तक गहन चर्चा हुई है। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक नवाज शरीफ ने शहबाज शरीफ को तय समय चुनाव कराने की सलाह दी है। दोनों नेताओं के बीच हुई इस बैठक के बाद इसकी जानकारी देते हुए देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बताया कि इसमें नए आर्मी चीफ को लेकर भी बात हुई। आसिफ ने कहा कि इस मसले पर पीटीआई जिस तरह से राजनीति कर रही है उसको वो नहीं करनी चाहिए। तीन घंटों तक चली इस बैठक में कई और मसलों पर भी चर्चा हुई। हालांकि इस बैठक में मरियम औरंगजेब शामिल नहीं थीं। बता दें कि शहबाज के पीएम बनने के बाद वो दूसरी बार लंदन गए हैं। उनके साथ उनका बेटा सुलेमान, ख्वाजा आसिफ, इशाक डार भी लंदन गए हैं। नए आर्मी चीफ के नाम के बाबत पूछे गए एक सवाल के जवाब में आसिफ ने कहा कि ये डिबेट का विषय नहीं है।

सरकार ने डीप सी पोर्ट का टेंडर निकाला

(आधुनिक समाचार सेवा)

बंगाल। पश्चिम बंगाल से जुड़ी कुछ परियोजनाओं के बारे में मंत्री फिरहाद हकीम ने जानकारी दी। मंत्री फिरहाद हकीम ने बताया कि राज्य सरकार ने डीप सी पोर्ट का टेंडर निकाला। अडानी पोर्ट्स और स्पेशल इकोनॉमिक जोन कंपनी को ये टेंडर मिला है। ये भारत में पहला पोर्ट होगा, जो ग्रीनफील्ड बंदरगाह पर होगा। ये प्रोजेक्ट 25000

करोड़ रुपए का है। यह 25000 लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा इस बीच टीएमसी विधायक मदन मित्र ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि भाजपा यह साबित करने की कोशिश कर रही है कि वे बंगाल के गुंडे है। मैंने कहा कि अगर पुलिस पर पत्थरबाजी जैसी बातें चलती रहीं तो यह वीरतापूर्ण नहीं बल्कि कायरतापूर्ण कृत्य है। मैंने कभी नहीं कहा कि मैं बम फेंकूंगा।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने आर्थिक स्थिति को लेकर कहा- विनाशकारी बाढ़ के बावजूद हम कर्ज चुकाने में सक्षम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने रविवार को कहा कि देश में विनाशकारी बाढ़ के बावजूद भी

हम कर्ज चुकाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि देश में अभूतपूर्व बाढ़ के बाद भी पाकिस्तान ऋण दायित्वों पर बिल्कुल नहीं चूकेगा। पाकिस्तान में भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई है। देश में बाढ़ से करीब 33 मिलियन से लोग प्रभावित हुए हैं, जिससे अरबों डालर का नुकसान हुआ है और देशभर में अब तक 1500 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद, चर्चा है कि पाकिस्तान कर्ज चुकाने में पिछड़ जाएगा। वित्त मंत्री मिफ्ताह इस्माइल ने समाचार एजेंसी रायटर को बताया, 'चुनौतीपूर्ण माहौल को देखते हुए, देश में स्थिरता का रास्ता थोड़ा मुश्किल पहले से ही था और यह अभी और भी कठिन हो गया है।' उन्होंने कहा, 'अगर हम कोई भी निर्णय सावधानीपूर्वक लेते हैं तो हम कर्ज चुकाने में डिफाल्ट नहीं होंगे। बिल्कुल नहीं।' उन्होंने कहा कि कड़े नीतिगत फैसलों की बदौलत ही पाकिस्तान कई महीनों बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का विश्वास जीत पाया है और छह कार्यक्रम को पटरी पर लाने में सफल रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान में बाढ़ के बावजूद भी ज्यादातर स्थिरीकरण नीतियां और लक्ष्य अभी भी ट्रैक पर है, जिसमें घटते विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि शामिल है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र ने आत्मदाह का किया प्रयास

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि को लेकर छात्रों का आंदोलन अब आत?मघाती रूप लेने लगा है। इस आंदोलन में शामिल छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में एक छात्र ने आज सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में आत्मदाह का प्रयास किया। आदर्श भदोरिया नामक इस छात्र ने खुद पर मिट्टी का तेल छिड़क लिया। इससे छात्र संघ परिसर में अफरातफरी की स्थिति बन गई। पुलिस ने मिट्टी का तेल छिड़क चुके आदर्श भदौरिया को किसी तरह से पकड़ा और आग लगाने से रोका।

पूरामुफ्ती से अगवा किशोरी चौफटका में मिली, कार सवारों की तलाश

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। पूरामुफ्ता से अगवा किशोरी कुछ ही घंटों में बरामद हो गई है।किशोरी चौफटका के पास मिली, जिस कार से युवक उसे ले जा रहे थे, वे भाग गए हैं। उनकी तलाश की जा रही है। उधर किशोरी के परिवार के लोगों के साथ ग्रामीणों ने प्रयागराज-कानपुर मार्ग पर आज सुबह जाम लगाया था। पुलिस सक्रिय हुई और हर मार्गों पर कांबिंग की गई। इसके बाद वह बरामद हुई। अगवा करने वाले कौन थे और ऐसा करने के पीछे क्या कारण था, इस पर पुलिस पड़ताल कर रही है।किशोरी के बरामद होने के बाद पुलिस प्रेम प्रसंग के बिंदु पर भी जांच कर रही है। पूछताछ में किशोरी ने पुलिस को बताया कि जब वह अपने घर के बाहर खड़ी थी तभी कार से दो युवक आए और उसको कार की डिक्की में भर लिया। इसके बाद कहीं ले जा रहे थे। चौफटका पर कार धीमी हुई तो वह डिग्गी खोलकर बाहर निकल गई। सीओ सत्येंद्र तिवारी का कहना है कि किशोरी के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जा रही है। सफेद रंग की कार से किशोरी को अगवा किया गया था, लेकिन उसका नंबर किशोरी को नहीं मालूम। सीसीटीवी फुटेज से अपहरण करने वाले के बारे में पता लगाया जा रहा है।

स्मार्ट सिटी प्रयागराज में तीसरी नजर का पहरा सीसीटीवी कैमरे ट्रैफिक व क्राइम कंट्रोल में बने मददगार

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। हाईटेक युग में सीसीटीवी कैमरे काफी अहम रोल निभा रहे हैं। मुख्य मार्गो, सार्वजनिक स्थलों, संवेदनशील स्थलों की निगरानी, ट्रैफिक कंट्रोल में इनकी मदद ली जा रही है। वहीं आपराधिक घटनाओं को ट्रेस करने में भी ये कैमरे पुलिस की मदद और आपराधिक घटनाओं को कंट्रोल करने का भी काम कर रहे हैं। इन हाई एंड रिजोल्यूशन कैमरों से पुलिस का निगरानी तंत्र मजबूत हो गया है प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे : यूपी के प्रयागराज जिले में सीसीटीवी कैमरों की संख्या काफी अधिक है। कई रोड चौराहे व अधिकांश प्रतिष्ठानों पर भी सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। स्मार्ट सिटी के तहत अब तक शहर भर में लगभग 1100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके है 1100 सीसीटीवी कैमरे आइट्रिपलसी से कनेक्ट हैं : प्रयागराज में सिटी सर्विलांस सिस्टम के तहत 1100 से अधिक कैमरे अलग-अलग स्थानों पर लगाए गए हैं। यह सभी कैमरे आइट्रिपलसी से कनेक्ट हैं। इनका इस्तेमाल ट्रैफिक मैनेजमेंट के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के लिए किया जाता है एसपी क्राइम बोले- सीसीटीवी कैमरे से क्राइम कंट्रोल में मदद : प्रयागराज के एसपी क्राइम सतीश चंद्र का कहना है कि जिले में अलग-अलग जगहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे से क्राइम कंट्रोल करने मे काफी सहूलियत मिलती है। वाहन चोरी की घटना हो, छेड़छाड़ की हो, मारपीट हो या अन्य आपराधिक संबंधित घटना हो सीसीटीवी लगने से हर तरीके से आम जनता के साथ साथ पुलिस को मदद मिली है। जिले की अधिकतर घटनाओं के वर्कआउट में इन सीसीटीवी कैमरो का अहम योगदान रहा है। जिले की कई घटनाएं ऐसी हुई है, जिनमें सीसीटीवी की मदद ली गई है और अपराधी तक पहुंचा गया सभी सीसीटीवी कैमरे हाई रेंज रिजोयूशन के हैं : एसपी क्राइम सतीश चंद्र का यह भी कहना है कि, स्मार्ट सिटी के तहत लगे सभी कैमरे की क्वालिटी काफी बेहतर है। सभी कैमरे हाई रेंज रिजोल्यूशन के हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के सेफ सिटी प्रोजेक्ट के तहत जल्द उन जगहों पर भी कैमरे लगाए जाएंगे जो स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत अभी बचे हुए हैं एडाप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम से रोड एक्सीडेंट में कमी हुई : 35 से अधिक (एटीसीएस) एडाप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को भी लगाया गया जिससे ट्रैफिक कंट्रोल करने में काफी मदद मिलती है। इसके लगने से रोड एक्सीडेंट में काफी कमी आई है ट्रैफिक को सुचारू रूप से चलने में यह बड़ी मदद करता है क्या कहते हैं लोग : आम जनता भी स्मार्ट सिटी के तहत लगाए गए 1100 से अधिक सीसीटीवी कैमरे की सराहना कर रही है। प्रयागराज शहर में मुट्ठीगंज निवासी अखिलेश केसरवानी का कहना है कि चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरे के कई फायदे हैं। चालान होने के डर से कोई ट्रैफिक नियम का उल्लंघन नहीं करेगा साथ ही ट्रैफिक जाम की भी समस्या कम हुई है। नैनी के गुरुनानक नगर की रहने वाली जागृति खुराना का कहना है कि महिलाओं को भी काफी लाभ हुआ है पहले ट्रैफिक सिग्नल पर चेन स्नेचिंग की घटनाएं होने का डर लगा रहता था लेकिन अब जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगे होने के चलते इसका भय भी खत्म हो गया है।

होमगार्ड विभाग ने इसीपुर ठेकाही में किया पौधारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रतापगढ़।होमगार्ड विभाग द्वारा प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर सेवा पखवाड़ा सप्ताह के अंतर्गत शहीद भगत सिंह अमृत सरोवर इसीपुर ढेकाही विकास क्षेत्र सदर में पौधारोपण किया गया।यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं विभाग के कर्मठ धर्मवीर प्रजापति माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)कारागार एवं होमगार्ड्स विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के आवाहन पर होमगार्ड विभाग द्वारा आयोजित किया गया त् इस मौके पर सरोवर पर लगभग 151 पौधे लगाए गए।कार्यक्रम के सफल आयोजन में ए आर पी धर्मेंद्र ओझा ने सहयोग प्रदान किया इस मौके पर एडीसी संजय तिवारी ँथ् सतीश सिंह और कंपनी कमांडर शैलेंद्र शुक्ला सहायक कंपनी कमांडर विनोद सिंह और प्लाटून कमांडर राजेश सिंह, ओमप्रकाश सिंह और सुशीला गुप्ता आदि मौजूद रहीं।

मोदी व्यक्तित्व प्रदर्शनी के तहत संगोष्ठी आयोजित कर भाजपाईयों मनाया सेवा पखवाड़ा का तीसरा दिन

कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी ने मनाया अपना जन्मदिन

(आधुनिक समाचार सेवा)
(बारा) प्रयागराज। सोमवार ब्लॉक सभागार जसरा में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस सेवा पखवाड़ा के तीसरे दिन भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला मंत्री यमुनापार कमलेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश को कुछ शिखर पर ले जाने का काम किया है आज भारत विश्व के उच्च देशों में गिना जाता है। कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश भाजपा प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा आकांक्षा सोनकर ने प्रधानमंत्री जी के चरित्र चित्रण पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला ने किया व संचालन महामंत्री भूपेंद्र पाठक ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का नीरज वेरसरवानी ने अभिनंदन किया। मंचासीन बृजमोहन आर्या, जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र सिंह पटेल, राजा बाबू पाठक ने अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान आज भाजपा जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान जसरा आशीष सोनकर, प्रीतम चंद केसरवानी, आलोक द्विवेदी, संगीता राय, अश्वनी दृवेदी, वीरेंद्र पाठक, राकेश पाठक, विजय बहादुर भदौरिया, दीपचंद्र गुप्ता, सुरेश मिश्रा, अतुल यादव, कल्पना मिश्रा, बबिता सिंह, शंकर लाल गुप्ता, राजन मिश्रा, प्रवीन मालवीय, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

मवेशियों को लंपी रोग से बचाने की मुहिम, ज़िले को मिले 50 हज़ार टीके

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। पश्चिमी जनपदों में लंपी रोग के प्रकोप को देखते हुए प्रयागराज में भी इससे बचाव की तैयारी शुरू हो गई है। हालांकि जनपद में मवेशियों को अभी लंबी बीमारी का ज्यादा खतरा नहीं है फिर भी शासन की ओर से 50 हजार टीके यहां भेज दिए गए हैं। आज 19 सितंबर से जनपद में लंपी रोग से बचाव के लिए मवेशियों को टीके लगाने की तैयारी है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरपी राय ने बताया कि प्रतिदिन 2 हजार मवेशियों के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। गोआश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों को टीका लगाने की प्रक्रिया शुरू करा दी गई है। सीवीओ डॉ. आरपी राय बताते हैं, जिन मवेशियों को लंपी से बचाव के टीके लगाए जाएंगे उन्हें 2 दिन तक क्वारंटाइन किया जाएगा और इसकी निगरानी डाक्टरों द्वारा की जाएगी। पशु विभाग की टीम पशुपालकों को इसके लिए जागरूक कर रही है और इस बीमारी से मवेशियों को कैसे बचाएं यह भी बताया जा रहा है। टीके के असर को लेकर पशु विभाग के डाक्टर ज्यादा अलर्ट हैं।

महापौर अभिलाषा सम्मेलन में भाग लेने अहमदाबाद रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी की ओर से अहमदाबाद में 20 व 21 सितंबर को आयोजित अखिल भारतीय मेयर सम्मेलन की बैठक में महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी भाग लेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करेंगे। केंद्रीय आवास व शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी भाग लेंगे। सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रयागराज के अलावा कानपुर, लखनऊ, झांसी, वाराणसी, अयोध्या आदि शहरों के महापौर भी अहमदाबाद जाएंगे। प्रयागराज की महापौर सोमवार सुबह अहमदाबाद के लिए वाराणसी रवाना हुईं। वाराणसी से फ्लाइट से अहमदाबाद जाएंगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी महापौरों को 19 सितंबर शाम तक अहमदाबाद पहुंचने का निर्देश दिया था।

निक्षय मित्रों ने थामा टीबी मरीजों का हांथ, रख रहे ख्याल पोषण का

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज।प्रयागराज 19 सितंबर 2022 : भारत सरकार का लक्ष्य देश को वर्ष 2025 तक क्षय रोग यानि टीबी से मुक्त बनाना है। क्षय रोग विभाग इसके लिए युद्ध स्तर पर कार्य कर रहा है। इसी क्रम में टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुरू किए गए स्वैच्छिक कार्यक्रम निक्षय मित्र की मुहिम कारगर साबित हो रही है। अब टीबी मरीजों को गोद लेने वाले लोग व संस्थाओं को निक्षय मित्र के तौर पर जाना जाएगा। क्षय रोग विभाग इनका नाम निक्षय पोर्टल पर पंजीकृत कर रहा है। अब तक पोर्टल पर 18 निक्षय मित्र पंजीकृत किए जा चुके हैं। इन निक्षय मित्र को राज्यपाल सम्मानित करेंगी।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एके तिवारी ने बताया कि जनपद में इस समय 8,702 टीबी मरीज हैं। इनमें से 3400 टीबी मरीजों को गोद लिए जाने का लक्ष्य तय हुआ है। अब तक 2575 टीबी मरीजों को निक्षय मित्र गोद ले चुके हैं। एनटीपीसी मेजा ने 100 टीबी मरीजो को गोद लिया है। वहीं पीडबल्यूडी ने 100, यूपीपीसीएल निर्माण इकाई ने 50, इफ़्को फूलपुर 100, ड्रग इंस्पेक्टर 100, एलएनटी 50, एनटीपीसी बारा ने 100, यूपी सेडको ने 50 व अन्य निक्षय मित्र जन प्रतिनिधि, राजनीतिक दल, कॉर्पोरेट, व गैर सरकारी संगठन, बैंक एवं निजी स्वास्थ्य महकमे के लोग व आम लोग हैं। विभाग निक्षय पोषण योजना के तहत इलाज जारी रहने तक टीबी मरीजों के बैंक खाते में 500 रुपये प्रतिमाह भेजा रही है।

नीतीश के मीरजापुर से चुनाव लड़ने की अटकलों पर बोलीं अनुप्रिया

'जदयू जातीय समीकरण से जीत का तय कर रहा फार्मूला

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। जदयू की ओर से नीतीश कुमार को आगामी 2024 लोकसभा चुनाव में यूपी से चुनाव लड़ाने की तैयारियों के बीच अब सत?ताधारी भाजपा और सहयोगी अपना दल की ओर से भी सियासी बयानों का दौर शुरू हो चुका है। फि?लहाल केंद्र में मंत्री और अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल मीरजापुर से सांसद हैं और उन?होंने नी?तीश के यूपी आगमन को लेकर अपने तेवर भी जाहिर कर दिए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित तमाम विपक्षी दलों से मुलाकात के बाद बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के यूपी में मीरजापुर या फूलपुर से चुनाव लड़ने की चर्चाएं जोरों पर हैं। इस बाबत रविवार को जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भी इस बात से इन्कार नहीं किया है। पटना में पार्टी कार्यकारिणी की बैठक में मीरजापुर से भी जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता शामिल हुए थे। इस दौरान गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए यूपी की राह पकड़ने की संभावनाओं पर पार्टी सूत्रों के अनुसार चर्चा हुई थी।पार्टी सूत्र बताते हैं कि बैठक के दौरान ही जदयू के उत्तर प्रदेश

संगठन के प्रभारी और वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगठन सत्येंद्र पटेल ने ही पार्टी में इस बाबत प्रस्ताव रखा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मीरजापुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ें तो 2024 में पार्टी दमदारी से परिणाम हासिल कर केंद्र में अपना दावा मजबूत कर सकती है। हालांकि चर्चा इस बात को लेकर भी रही कि वाराणसी का नाम भी प्रस्ताव में रखा गया। मगर, सर्वाधिक दावा मीरजापुर में इस बात से भी रहा कि यह पीएम नरेन?द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के ठीक बगल की सीट है और बिहार का पड़ोसी जिला होने के साथ ही जातीय समीकरण भी पार्टी के पक्ष में हैं। इस बाबत जानकारी रविवार को सामने आने के बाद अपना दल की ओर से पार्टी प्रमुख व मीरजापुर की सांसद अनुप्रिया पटेल ने भी यहां से नीतीश कुमार के आगामी दिनों में चुनाव लड़ने पर अपनी राय रखी है। उन?होंने कहा कि - ''हमने सदैव आम जन की बात की है। जनता ने दूसरी बार हम पर भरोसा जताया है और मैंने विकास को आगे किया है न कि जातीय समीकरण को। जदयू भले ही यहां पर जातीय समीकरण को आगे कर जीत का फार्मूला तय कर रही हो, लेकिन होगा वही जो विधानसभा चुनाव में इनके उम्मीदवारों के साथ हुआ। मीरजापुर हो या फूलपुर, यूपी की जनता सब जानती है कि कौन क्या है और कितना विकास किया है।

बीएचयू में काउंसिलिंग को लेकर आया बड़ा अपडेट

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। यहां पढ़ें जरूरी डिटेल्स15 सितंबर को सनतक प्रवेश परीक्षा परिणाम आने के बाद अब अभ्यथिर्यों को कट ऑफ का इंतजार है। विश्वविद्यालय स्तर पर पाठयक्रमवार मेरिट सूची बनाने सहित अन्य तैयारियों पर मंथन चल रहा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में सनतक में दाखिले के लिए होने वाली काउंसिलिंग की प्रक्रिया अगले महीने दशहरा से पहले शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर पाठयक्रमवार मेरिट सूची बनाने सहित अन्य तैयारियों पर मंथन चल रहा है। विश्वविद्यालय स्तर पर गठित प्रवेश समन्वय समिति को केवल एनटीए (नेशनल टेस्टिंग एजेंसी) की ओर से प्रवेश परीक्षा में सफल छात्रों का आंकड़ा जारी करने का इंतजार है। इस सप्ताह एक और बैठक होगी, इसमें काउंसिलिंग को लेकर अहम फैसला होने की संभावना है। शिक्षा मंत्रालय की ओर से बीएचयू समेत अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए एनटीए को प्रवेश परीक्षा की जिम्मेदारी दी गई थी। इस बीच शिक्षा मंत्रालय ने काउंसिलिंग सहित अन्य प्रक्रिया को संबंधित विश्वविद्यालय द्वारा कराए जाने का जो निर्देश जारी किया है, उस पर अमल शुरू हो

गया है। 15 जुलाई से 30 अगस्त तक चली परीक्षा के बाद जो परिणाम जारी किया गया है, उसके आधार पर ही मेरिट सूची जारी की जानी है। परीक्षा नियंता प्रो.एसएन उपाध्याय के निर्देशन में मेरिट सूची जारी करने से पहले की तैयारियां चल रही हैं। शनिवार को बैठक में मंथन के बाद अब इसी सप्ताह में अभ्यथिर्यों को बुलाने, अन्य तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। इधर, परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को अब मेरिट सूची जारी होने का इंतजार है। बीएचयू में दाखिले के लिए आए सात लाख से अधिक आवेदन बीएचयू में सनतक और सनतकोत्तर समेत अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए इस बार सात लाख से अधिक आवेदन आए हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से सनतकोत्तर प्रवेश परीक्षा का परिणाम आना बाकी है। जबकि 15 सितंबर को सनतक प्रवेश परीक्षा परिणाम आने के बाद अब अभ्यथिर्यों को कट ऑफ का इंतजार है। परीक्षा नियंता प्रो.एसके उपाध्याय ने बताया कि जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार इस बार सात लाख से अधिक आवेदन आए जो कि पिछले तीन वर्षों में सबसे अधिक है। 2020 में जहां पांच लाख से अधिक आवेदन आए, वहीं 2021 में संख्या बढ़कर छह लाख से अधिक पहुंच गई थी। अभ्यथिर्यों का आंकड़ा आने के बाद ही काउंसिलिंग संबंधी तैयारी शुरू हो पाएगी। काशी विद्यापीठ में प्रवेश परीक्षा परिणाम का इंतजार महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में यूजी, पीजी के 31 विषयों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा अगस्त के अंतिम सप्ताह में खत्म हो गई है। परिणाम कब जारी होगा, इस बारे में कोई तिथि घोषित नहीं की गई है। ऐसे में अभ्यथिर्यों को परिणाम का इंतजार है। परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी भी विश्वविद्यालय आकर परिणाम के बारे में पूछताछ कर रहे हैं लेकिन यहां भी कोई सही जवाब नहीं मिल पा रहा है। इसके अलावा बाकी 16 पाठयक्रम जहां निर्धारित सीट से कम आवेदन आए हैं, वहां पहले आओ, पहले पाओ की तर्ज पर विभागों में 13 सितंबर से काउंसिलिंग होगी। इसके लिए विश्वविद्यालय स्तर पर तैयारियां चल रही है।

वाराणसी में लक्ष्मी कुंड पर सोरहिया मेले के बाद नमामि गंगे ने साफ सफाई कर मां लक्ष्मी की उतारी आरती

(आधुनिक समाचार सेवा)
वाराणसी। काशी के पौराणिक कुंडों और तालाबों में बिखरी गंदगी से आध्यात्मिक आचमन योग?य भी जल न मिल पाने का आस्थावानों को अफसोस होता है। इसी कड़ी में सोमवार को सोरहिया मेले के बाद लक्ष्मी कुंड पर बिखरी गंदगी को नमामि गंगे ने साफ कर सामाजिक दायित्वों को निर्वहन किया। इस दौरान काशी के पौराणिक कुंडों-तालाबों-पोखरों-सरोवरों को संरक्षित करने की अपील करने के साथ ही मातृ नवमी पर नमामि गंगे ने आत्मनिर्भर भारत की कामना से माता लक्ष्मी की आरती उतारकर श्री समृद्धि की कामना की गई। काशी के पौराणिक कुंडों-तालाबों-पोखरों-सरोवरों के संरक्षण की अपील के साथ नमामि गंगे के सदस्यों ने जीवित्पुत्रिका व्रत सोरहिया मेले के बाद लक्ष्मी कुंड में इधर-उधर बिखरे निर्माल्य एवं सामग्रियों को बटोर कर नगर निगम की कूड़ा गाड़ी के हवाले

किया। केमिकल युक्त मूर्तियों को कुंड से बाहर निकाला। जल संरक्षण के आग्रह के बीच लक्ष्मी कुंड के आसपास नगर निगम के कर्मचारियों के सहयोग से सफाई की। कुंड की सफाई के पूर्व सदस्यों ने नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला के नेतृत्व में माता लक्ष्मी की आरती उतारी। महालक्ष्मी से खुशहाल, आत्मनिर्भर, आरोग्य और समृद्धि पूर्ण भारत की कामना की। संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि सनातनी संस्कृति के जन्म से लेकर मृत्यु तक के आयोजन पवित्र नदियों, कुंडों, तालाबों, पोखरों और सरोवर के किनारे होते हैं। हमारे जीवन में जल की महत्ता को समझ कर स्वच्छता की जिम्मेदारी का निर्वहन भी हमें स्वयं को करना होगा। पवित्र नदियों जलाशयों के किनारे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन के बाद बचे हुए निर्माल्य व सामग्रियों को हम छोड़कर न जाएं जिससे कि इनके किनारे गंदगी का अंबार न लगे।

जौनपुर सड़क हादसों में युवक और महिला की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
जौनपुर। जिले में शनिवार को सड़क हादसों में युवक और महिला की मौत हो गई। मृत महिला के पति समेत दो लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के

लिए अस्पताल ले जाया गया। जलालपुर के प्रधानपुर निवासी राजेंद्र सिंह अपनी 55 वर्षीया पतनै पुष्पा सिंह के साथ जौनपुर से दवा लेकर टैंपो से घर लौट रहे थे। वाराणसी-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलालपुर के ही बीबनमऊ में यूनियन बैंक के पास टैंपो चालक ने दो सवारियों को उतार दिया। जैसे ही कुछ आगे बढ़े पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डीसीएम टक्कर मारते हुए वाराणसी की तरफ निकल गया। हादसे में दंपती बुरी तरह से घायल हो गए। उपचार के लिए पास के निजी चिकित्सालय ले जाया गया। डाक्टरों ने पुष्पा सिंह को मृत घोषित कर दिया। दंपती के एकमात्र पुत्र रोजी-रोटी के सिलसिले में गोवा रहते हैं। घटना की खबर लगते ही वह घर के लिए रवाना हो गए। दूसरा सड़क खुटहन थाना क्षेत्र में हुआ खुटहन थाना क्षेत्र के खरतापपुर निवासी 24 वर्षीय रोहित मौर्य शाहगंज नगर के पुरानी बाजार मोहल्ला निवासी अपने बहनोई संजय मौर्य के घर रहकर वाहन चलाते थे। शाम को पुरानी बाजार मोहल्ला निवासी साथी रवि यादव के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे।

संतकबीर नगर में पेड़ से लटका मिला प्रेमी-प्रेमिका का शव, हत्या की आशंका

(आधुनिक समाचार सेवा)
संतकबीर नगर ।संतकबीर नगर कोतवाली खलीलाबाद के बेलवा गांव के सीवान में पेड़ से लटका मिला प्रेमी युगल शव मिला है। मृतक गोरखपुर जिले के हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र का निवासी बताया हा रहा है। इसकी जानकारी ग्रामीण जब नित्यक्रिया के लिए खेत में गए तब हुई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस व फारेंसिंक टीम ने साक्ष्य के लिए नमूने एकत्र कर लिए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है गोरखपुर जिले हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के ग्राम सिघौली निवासी आंचल गौड पुत्री संजय गौड़ रविवार को रात घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। स्वजन देर रात तक काफी खोजबीन किए लेकिन उसका पता नहीं चल

सका। सोमवार की सुबह छह बजे कोतवाली खलीलाबाद के रामपुर गांव के लोग नित्यक्रिया के लिए खेत में जा रहे थे तो देखा की गांव के सिवान में महुआ के पेड़ से एक ही दुपट्टे एक युवक-युवती का शव लटक रहा है। इसके बाद गांव में घटना आग की तरह फैल गई।मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को इसकी सूचना पुलिस को दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को ग्रामीणों की मदद से नीचे उतारा तो युवक की पहचान गांव के ही अंशु कुमार के रुप में हुई। घटना की जानकारी पर पहुंचे युवक - युवती के स्वजन ने दोनों की शिनाख्त किया। जमीन से काफी उपर शव लटकने की बात पर स्वजन हत्या की आशंका जता रहे है। मौके पर फारेंसिंक टीम भी पहुंच कर जांच के लिए साक्ष्य एकत्र करने में जुटी है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफ्रिरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभन्न पाठ्क्रमों में रिक्त की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सक्ता है।
   नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 सितंबर 2022
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

सम्पर्क सूत्रः– 7518828710, , 9415608710, 6386474074, 9415608790

समाज के प्रति आस्था- निष्ठा रखने वाले 75 रक्तदानियों ने किया रक्तदानः किशन पाण्डेय

रक्त शिविर में एक साथ तीन मित्रों ने किया रक्तदान

(आधुनिक समाचार सेवा)

(रेणुकूट) सोनभद्र। स्वतंत्रता के 75 वें वर्षगांठ पर आयोजित अमृत महोत्सव के तहत रविवार को मुर्द्धवा स्थित सोनभद्र हुंडई परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 75 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, रक्तदान शिविर

में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और कुल 7 महिलाओं ने अपने पति के साथ रक्तदान किया। रक्तदान शिविर की शुरुआत मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी पिपरी शैलेंद्र कुमार मिश्रा व विशिष्ट अतिथि सीओ पिपरी प्रदीप सिंह चंदेल ने की। इस मौके पर उपजिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए क्योंकि रक्त का कोई दूसरा स्रोत नहीं होता है रक्तदान करने से व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं होता है। प्रत्येक व्यक्ति के शरीर में पांच से 6 लीटर रक्त होता है रक्तदान करते समय व्यक्ति केवल 350 से 450 मिलीलीटर रक्त का दान करते हैं जो कि 24 से 36 घंटे के अंदर दोबारा आपकी रक्त प्रणाली द्वारा वापस बन जाता है। रक्तदान करने के तुरंत बाद ही व्यक्ति अपने व्यवसाय या नौकरी पर भी जा सकता है। प्रयास संस्थापक दिलीप दुबे व सोनभद्र हुंडई के निशांत पांडेय ने कहा कि साढ़े 12 ग्राम हीमोग्लोबिन वाला व्यक्ति जिसकी उम्र 18 से 65 वर्ष के बीच है, वह रक्तदान कर सकता है। रक्तदान सर्वश्रेष्ठ दान होता है क्योंकि यह एक मानव जीवन को बचाता है। किसी की जरूरत में मदद करना आपको संतुष्टि का भी अनुभव कराता है, सुरक्षात्मक तरीके से पुरुष 3 महीने में व स्त्री 4 महीने में एक बार रक्तदान कर सकते हैं। रक्तदान शिविर में रक्तदाता दिलीप दुबे ने 50 वीं बार रक्तदान किया। शिविर में कुल 7 पति-पत्नी ने भी एक साथ रक्तदान किया, जिसमें नवीन सैनी- सुशीला सैनी, जेपी कुशवाहा-रेखा कुशवाहा, रानी सिंह-मनोज कुमार, पुष्पा-राजकुमार, शशि पांडे-दीपक पांडेय ने रक्तदान किया। जिले के पहले नेत्रदानी तुषार अग्रवाल की बहन सोनल अग्रवाल ने भी रक्तदान किया। रक्तदान शिविर में आए गुरमा चौकी प्रभारी राजेश सिंह ने भी शिविर के आयोजन की तारीफ की और कहा कि वे खुद लंबे समय से रक्तदान करते चले आ रहे हैं और जब भी किसी को जरूरत पड़ती है तो वह हर वक्त रक्तदान के लिए तैयार रहते हैं। शिविर में मिर्जापुर से आई वैन के साथ सोनभद्र जिला अस्पताल से भी वैन आई थी जिसमें रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर के दौरान पिपरी थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह, चौकी प्रभारी शिवकुमार सिंह, रामकुमार गुप्ता,डॉ आर आर श्रीवास्तव, उमेश,संतोष, मो फारुख, दीपेश जायसवाल, गौतम अग्रवाल, मनोज मिश्रा, साबिर, सोनू, आशीष शुक्ला, मणिभूषण सिंह, शुभम केसरी, राजेश पासवान,राकेश पाल, दीपक सिंह, शशि यादव समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मातमी सदाओं के बीच निकला दुलदुल का जुलूस

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। करबला के शहीदों की याद में रविवार को नगर में चेहल्लुम का जुलूस निकाला गया। या अली या हुसैन... की मातमी सदाओं के बीच में हाथों अलम थामे अकीदतमंद नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए ईदगाह पहुंचे। जुलूस में ताजिया और दुलदुल भी शामिल रहा। मातम करते हुए लोग चंडी तिराहे के समीप ईदगाह पहुंचे। यहां ताजिया को ठंडा किया गया। जुलूस में ताजियादार एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन खां, मुश्ताक खां, फतेह मोहम्मद, हीरा बाबा, अशरफी, फिरोज सिद्दीकी, अरशद खां, मकसूद आदि शामिल रहे। उधर, सदर ग्राम पंचायत पछौरा

करबला का मंजर याद करते हुए सबकी आंखें नम हो गईं। नगर के न्यू मार्केट स्थित रिजवी कटरा से दोपहर बाद जुलूस शुरू हुआ। ताजिया लेकर अकीदतमंद नगर पालिका मोड़ पर पहुंचे। यहां पूरब मोहाल का ताजिया भी पहुंचा। यहां से जुलूस आगे बढ़ा तो मेन चौक पर नई बस्ती का ताजिया भी शामिल हो गया। इसके नौहा नई बाजार में चेहल्लुम का जुलूस निकालकर लोगों ने मातम किया। इस दौरान हमेशा इंसानियत, भाईचारे और एकता का संदेश दिया। दूरदराज से आए सैकड़ों लोगों ने मातमी जुलूस में हिस्सा लिया। इस मौके पर हुसैन हक, हिफाजत अली, अकबर अली, याकूब अहमद, इंदू अहमद, जाफिर अली, फिरोज अहमद आदि रहे।

डीएम ने जिला अस्पताल से किया पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। डीएम चंद्र विजय सिंह ने रविवार को पल्स पोलियो महाभियान का शुभारंभ किया। अभियान चलाया जा रहा है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें दवा की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने स्वास्थ्य पंचायत ऐलाही में बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। ऐलाही प्राथमिक विद्यालय पर कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान अनिल यादव ने किया। उपकेंद्र पर तैनात एएनएम सरोज यादव ने बताया कि शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए पोलियो खुराक दी जा रही है। पहले दिन कुल 91 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया गया।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में बच्चो को पल्स पोलियो खुराक पिलाकर शुभारंभ करते डीएम चंद्र विजय सिंह - फोटो

जिला संयुक्त अस्पताल में नौनिहाल को दवा की दो बूंद पिलाई। सभी अभिभावकों से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील की। उद्घाटन अवसर पर डीएम ने कहा कि जिले में 23 सितंबर तक सघन पल्स पोलियो अभियान चलाया जा रहा है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए उन्हें दवा की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मचारियों को भी पूरी सजगता के साथ दायित्वों को पूरा करने का निर्देश दिया। इस मौके पर सीएमओ डॉ. आरएस ठाकुर, सीएमएस डॉ. के. कुमार, डॉ. दयाशंकर आदि मौजूद रहे केकराहीः करमा के ग्राम

संतान की दीर्घायु के लिए माताओं ने रखा निर्जला व्रत

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। वंश वृद्धि और संतान के दीर्घायु के लिए रविवार को माताओं ने निर्जला जिउतिया व्रत रखा। शाम को व्रती माताओं ने चौक बनाकर बीच में काश (जूर) बाबा मंदिर परिसर, पनूगंज रोड स्थित रामजानकी मंदिर के पास, सिविल लाइंस रोड, बढ़ौली, कम्हारी सहित अन्य स्थानों पर व्रती महिलाओं ने समूह में पूजा की। माताओं ने वंश वृद्धि और कामना के साथ रखा जाता है। राबर्ट्सगंज नगर में सुबह से ही पूजा पाठ से संबंधित सामग्री और फल-फूल की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ जुटी रही। उधर, चोपन नगर में भी

रखकर जीमूत वाहन की पूजा की और कथा का श्रवण किया। जिउतिया व्रत के मद्देनजर घाटों और सरोवरों पर काफी चहल पहल रही। बाजारों में भी भीड़ रही। जिला मुख्यालय राबर्ट्सगंज स्थित रामसरोवर तालाब, चंडी तिराहा के समीप, हरदा बांबा मंदिर परिसर, दंडईत संतान के दीर्घायु की कामना के साथ जिउतिया व्रत किया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी जिउतिया व्रत की खास धूम रही। कोमल पांडेय, पुष्पा सिंह, सन्हलता पांडेय, नीति सिंह, उर्मिला, पार्वती, सुनीता पाठक, पूजा अग्रहरि, वंदना ने बताया कि जिउतिया व्रत वंश वृद्धि की माताओं ने नियमानुसार विधि विधान से व्रत रखकर अपने पुत्रों के लंबी आयु की कामना की। नगर के सोन नदी तट, हाइडिल कॉलोनी के शीतला घाट, मल्हिया टोला, चोपन गांव सिंदुरिया बदिच्या में भारी संख्या में व्रती महिलाओं ने पूजा की।

50 हजार रिश्वत लेते एनसीएल के दो अफसरों को CBI ने पकड़ा, घर और दफ्तर सील

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। मध्य प्रदेश के सीबीआई ऑफिसर रविवार को एनसीएल के नेहरु चिकित्सालय में पहुंचे थे। वहां उन्होंने 50 हजार रुपये घूस लेते हुए दो अधिकारियों को पकड़ा। एनसीएल के नेहरू शताब्दी चिकित्सालय में रविवार को सीबीआई की

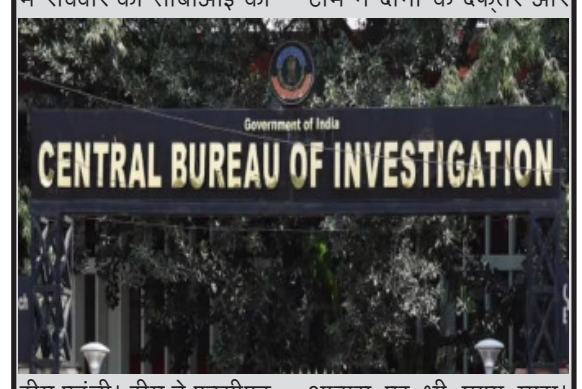

टीम पहुंची। टीम ने एनसीएल के दो अधिकारियों को 50 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। उनके घर और दफ्तर पर छापा मारते हुए दस्तावेज सील किए। आरोप है कि कैंटीन निर्माण से जुड़े एक मामले में ठेकेदार से रिश्वत ली जा रही थी। फिलहाल इस मामले में सीबीआई ने कोई जानकारी दे पाने में असमर्थता जताई है। एनसीएल ने भी टिप्पणी से इंकार किया। मध्य प्रदेश के सीबीआई ऑफिसर रविवार को एनसीएल के नेहरु चिकित्सालय में पहुंचे थे। वहां उन्होंने 50 हजार रुपये घूस लेते हुए दो अधिकारियों को पकड़ा। इसके बाद सीबीआई टीम ने दोनों के दफ्तर और आवास पर भी छापा मारा। टीम ने दोनों से घंटों पूछताछ की। फिर उन्हें जबलपुर भेज दिया गया। कागजात की छानबीन देर शाम तक जारी रही। सीबीआई की इस कार्रवाई से अधिकारियों में अफरातफरी है। खबर लिखे जाने तक सीबीआई की टीम दस्तावेजों को खंगालने में जुटी थी।

बच्चा चोर कह महिला को पीटा मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

हलिया। क्षेत्र के बरडीहा कला गांव में घूम रही महिला को रविवार की सुबह बच्चा चोर कहकर कुछ लोगों ने पिटाई कर दिया। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पिटाई से घायल महिला को थाने पर लाकर पुलिस को सूचना दिया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्र के सोठिया खुर्द गांव निवासी मिश्रीलाल ने तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री राजकुमारी (35) मानसिक रुप से अस्वस्थ है। रविवार की सुबह घर से बरडीहा कला स्थित कोलई के घर के पास पहुंची थी कि कि वहां कोलई के पुत्रों ने उसे बच्चा चोर कह कर रोक लिया। कोलई ने गाली देते हुए उसकी पिटाई कर दी। इससे उसकी पुत्री घायल हो गई। तहरीर मिलने पर पुलिस ने आरोपी कोलई को गिरफ्तार कर लिय आरोपी के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कार्रवाई में जुटी है। सीओ लालगंज परमानंद कुशवाहा ने कहा कि बच्चा चोरी की अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरोपी पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

फूलपुर के बाद अब मिर्जापुर से भी नीतीश के चुनाव लड़ने की चर्चा

(आधुनिक समाचार सेवा)

मिर्जापुर। विपक्ष के साथ महागठबंधन बनाने में जुटे बिहार के सीएम नीतीश कुमार की मिर्जापुर संसदीय सीट से उम्मीदवारी की अटकलों ने सियासी हलचल पैदा कर दी है। फूलपुर के बाद अब मिर्जापुर लोकसभा क्षेत्र से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चुनाव

लड़ने की चर्चा चल पड़ी है। दरअसल, बिहार के भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के एक ट्वीट के बाद यह चर्चा शुरू हुई।

जिला अस्पताल की दुर्व्यवस्था पर भड़के डीएम सीएमएस से बोले : आप इस पद के लायक नहीं

(आधुनिक समाचार सेवा)

सोनभद्र। जिला अस्पताल के औचक निरीक्षण पर रविवार को पहुंचे डीएम दुर्व्यवस्था देख आपे से बाहर हो गए। अस्पताल में गंदगी का अंबार लगा था। मरीजों के बेड पर चादर नहीं थी। वार्ड में डॉक्टर-कर्मचारी भी नहीं थे। मरीजों को परोसा जा रहा भोजन घटिया था। बार-बार हिदायतों के बावजूद व्यवस्था में कोई सुधार न होने पर डीएम ने सीएमएस को कड़ी फटकार लगाई। कार्यक्षमता पर सवाल उठाते हुए सीएमओ को नए योग्य सीएमएस की तैनाती के लिए तत्काल शासन को प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया डीएम चंद्र विजय सिंह सुबह पल्स पोलियो अभियान का उद्घाटन करने जिला अस्पताल पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद वह अचानक अस्पताल के वार्डों में पहुंचे तो वहां की लापरवाही और दुर्व्यवस्था की भरमार मिली। जनरल वार्ड में अत्यंत गंदगी मिली। शौचालय की सफाई नहीं हुई थी। नाला चोक होने से मरीजों को परेशानी हो रही थी। देखने से साफ लग रहा था कि वार्डों की नियमित सफाई नहीं होती। एक महिला मरीज फर्श पर लेटी थी। कई मरीजों के बेड पर चादर नहीं थी। थी भी तो बेहद गंदी। उन्होंने सीएमएस को बेड पर कलर कोडिंग के साथ

साफ चादर बिछवाने का निर्देश दिया। संबंधित ठेकेदार का ठेका निरस्त करते हुए नए ठेकेदार के शीघ्र चयन करने के लिए कहा। वार्ड में स्टाफ नर्स की ड्यूटी का चार्ट आठ सितंबर का था। इसके बाद से इस पर कोई अपडेट नहीं था। स्टाफ नर्स बिंद्रावती संतोषजनक उत्तर नहीं दे सकीं। कई नर्स एक ही जगह रहकर मरीजों की देखभाल कर रही थीं। डीएम ने स्टाफ नर्स का अन्यत्र तबादला करने और नर्सों की अलग-अलग ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। वार्ड में भर्ती मरीजों ने बताया कि साढ़े 11 बजे तक कोई भी डॉक्टर भ्रमण पर नहीं आया है। मरीजों के फाइल पर भी इसका कोई उल्लेख नहीं था। डीएम ने सीएमएस को संबंधित डॉक्टरों से स्पष्टीकरण लेकर अवगत कराने और फाइल पर भ्रमण का नियमित ब्योरा दर्ज करने का निर्देश दिया। डीएम ने इमरजेंसी और डिलीवरी वार्ड का भी भ्रमण किया। वार्ड में प्रसूताओं की कम संख्या पर सीएमओ से दो दिन में जांच कर रिपोर्ट देने को कहा। भोजन में हर रोज दाल-रोटी, लौकी की सब्जी डीएम निरीक्षण के दौरान भोजनालय में पहुंचे तो वहां दो रसोइयां मौजूद थे। जिस आटे से रोटी बनाई जा रही थी, उसकी गुणवत्ता ठीक नहीं थी। फ्रिज में तीन छोटी लौकी और एक किलो टमाटर रखा था। इसके अलावा कंटेनर में आटा, दाल व नमक पाया गया। पूछताछ में मरीजों ने बताया कि रोजाना भोजन में दाल-रोटी और लौकी की सब्जी दी जाती है। मेन्यू के अनुसार पौष्टिक भोजन न दिए जाने पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने संबंधित ठेकेदार का ठेका निरस्त करते हुए नए के चयन का निर्देश दिया, ताकि मरीजों को नियमित पौष्टिक भोजन मिल सके। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. आरएस ठाकुर व सीएमएस डॉ. क्रांति कुमार भी मौजूद रहे।

सुनील गावस्कर ने बताया कैसे टी20 वर्ल्ड कप के प्लेइंग इलेवन में कार्तिक और पंत दोनों की बनती है जगह

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। आगामी टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की घोषणा के बाद जिन दो चीजों की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है वो है मोहम्मद शमी का 15 सदस्यीय स्क्वॉड में शामिल न होना और रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक को अंतिम 15 में जगह मिलना। सवाल यह उठता है कि क्या इन दोनों को अंतिम ग्यारह में एक साथ मौका दिया जा सकता है यह वह सवाल है जो मैनेजमेंट के सामने टेढ़ी खीर बनी हुई है। लेकिन भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और लीजेंड बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इन दोनों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इंडिया टुडे नेटवर्क ने बात करते हुए इन दोनों के सेलेक्शन पर अपना समर्थन जताया है। उनके अनुसार रिवॉर्ड पाने के लिए टीम इंडिया को हर डिपार्टमेंट में रिस्क लेना होगा। गावस्कर ने कहा कि 'मैं रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक दोनों को अंतिम ग्यारह में रखूंगा। नंबर 5 पर रिषभ पंत, नंबर 6 हार्दिक पांड्या और नंबर 7 पर दिनेश कार्तिक। मैं हार्दिक और चार अन्य गेंदबाजी विकल्प के साथ जाऊंगा। यदि आप जोखिम नहीं उठाएंगे तो आप कैसे जीतेंगे? आपको सभी विभागों में जोखिम उठाने की जरूरत है तभी आपको रिवॉर्ड मिल सकता है।' सुनील गावस्कर ने पंत और कार्तिक को लेकर भले ही अपनी प्रतिक्रिया दे दी हो लेकिन देखना दिलचस्प होगा कि टीम मैनेजमेंट इस बारे में क्या सोचती है। क्योंकि एशिया कप के दौरान टीम के हेड कोच ने भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि इस टीम में कोई फर्स्ट च्वाइस विकेटकीपर नहीं है। हम स्थिति और विरोधियों को देखकर प्लेइंग इलेवन चुनते हैं जो हमारे लिए बेस्ट होता है। दिनेश कार्तिक की बात करें तो आइपीएल 2022 में शानदार प्रदर्शन करने के बाद दिनेश कार्तिक की टीम इंडिया में वापसी हुई थी। तब से लगातार उन्हें पंत के साथ भी अंतिम ग्यारह में मौका मिला लेकिन एशिया कप के टीम कॉम्बिनेशन ने और खासतौर से रवींद्र जडेजा के बाहर होने के बाद इस मुद्दे को लेकर चर्चा शुरू हो गई कि क्या दोनों की एक साथ अंतिम ग्यारह में जगह बनती है।

दुलीप ट्रॉफी के फाइनल में दक्षिण और पश्चिम क्षेत्र के बीच होगा मुकाबला

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। रवि तेजा के नाबाद शतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से दक्षिण क्षेत्र ने रविवार को दलीप ट्राफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में उत्तर क्षेत्र को 645 रन के विशाल अंतर से हराकर फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका सामना पश्चिम क्षेत्र से होगा। दोनों टीमों के बीच फाइनल मैच बुधवार से खेला जाएगा। दक्षिण क्षेत्र के 740 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए उत्तर क्षेत्र की टीम तन्य त्यागराजन (3/12), आर साई किशोर (3/28) और कृष्णप्पा गौतम (3/50) की गेंदबाजी के सामने सिर्फ 30.4 ओवर में 94 रन पर सिमट गई। टीम ने अंतिम नौ विकेट सिर्फ 30 रन पर गंवाए। उत्तर क्षेत्र की ओर से सलामी बल्लेबाज यश ढुल (59) और मनन वोहरा (11) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए। दक्षिण क्षेत्र ने दूसरी पारी चार विकेट पर 316 रन बनाकर घोषित की। रवि तेजा ने 120 गेंद में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 104 रन बनाए। सलामी बल्लेबाजों रोहन कुनन्मुल (77) और मयंक अग्रवाल (64) ने भी अर्धशतक जड़े।दक्षिण क्षेत्र की टीम रविवार को दूसरी पारी में एक विकेट पर 157 रन से आगे खेलने उतरी। अग्रवाल ने 53 जबकि रवि तेजा ने 19 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। अग्रवाल आउट होने वाले पहले बल्लेबाज रहे जो अपने शनिवार के स्कोर में 11 रन बनाने के बाद मयंक डागर की गेंद पर बोल्ड हो गए। पुलकित नारंग (2/102) ने बाबा इंद्रजीत (12) और मनीष पांडे (26) को आउट किया। रवि तेजा ने इसके बाद रिकी भुई (नाबाद 21) के साथ मिलकर टीम का स्कोर 300 रन के पार पहुंचाया और अपना शतक भी पूरा किया जिसके बाद कप्तान हनुमा विहारी ने पारी घोषित की दी। लक्ष्य के पीछा करने उतरे उत्तर क्षेत्र ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और युवा यश ढुल के अलावा उसका कोई बल्लेबाज क्रीज पर पर्याप्त समय नहीं बिता पाया।

युवराज कैफ ने 15 साल पहले ब्रॉड को दिखाए थे दिन में तारे और मिल गया क्रिकेट को सिक्सर किंग

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 19 सितंबर 2007, टी20 वर्ल्ड कप का एक ऐसा लम्हा जब एक खिलाड़ी को नया नाम मिला, उनके नाम के साथ नई उपलब्धि जुड़ी और टीम इंडिया का यह बल्लेबाज वर्ल्ड क्रिकेट के लिए बन गया सिक्सर किंग जिन्होंने एक ऐसे गेंदबाज को ओवर में 6 छक्के जड़े जो वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट का वन ऑफ द फाइनिस्ट बॉलर है। आज से ठीक 15 साल पहले डरबन के मैदान पर युवराज ने वो किया जो इंटरनेशनल क्रिकेट में शायद ही कभी होता है। युवराज की 16 गेंदों पर 58 रनों की इस तूफानी पारी का ही कमाल था जब टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के सामने 4 विकेट खोकर 218 रन बनाए और फिर इंग्लैंड को 200 रनों पर रोक दिया और मैच 18 रनों से जीत लिया। 18 ओवर में टीम इंडिया 3 विकेट गंवाकर 171 रन बना चुकी थी। 19वां ओवर स्टुअर्ट ब्रॉड के हाथ में था लेकिन युवराज के मन में कुछ और ही चल रहा था। युवराज ने ब्रॉड के इस ओवर में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए और 19 ओवर के बाद टीम का स्कोर 207 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने मैदान के हर कोने में रन मारे। ब्राड भले ही आज वन ऑफ द बेस्ट टेस्ट गेंदबाज हो लेकिन युवराज के खिलाफ यह ओवर वह जिंदगी भर नहीं भूल पाएंगे। युवराज ने एक ही ओवर में बना डाले तीन रिकार्ड इस ओवर में युवराज की आतिशी पारी ने न केवल क्रिकेट फैंस को हक्का-बक्का कर दिया बल्कि एक ही ओवर में 3-3 रिकॉर्ड बना डाले। इंटरनेशन क्रिकेट में ओवर में 6 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेब युवराज सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने। हालांकि रवि शास्त्री के नाम भी यह कारनामा है लेकिन उन्होंन घरेलू क्रिकेट में यह मुकाम हासिल किया था जबकि युवराज ने इंटरनेशनल क्रिकेट में इसे हासिल किया। बाद में 2021 में कीरोन पोलार्ड ने भी श्रीलंका के खिलाफ 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए।युवराज ने केवल 12 गेंदों पर अपनी हाफ सेंचुरी पूरी की और टी20 में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 3 चौकों और 6 छक्कों की मदद से यह मुकाम हासिल किया। इस ओवर में युवराज ने 36 रन बनाए और किसी एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। हालांकि बाद में वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज कीरोन पोलार्ड ने इस स्कोर की बराबरी की जब 2021 में उन्होंने अकीला धनंजय के ओवर में 6 छक्के लगाए। आज भी इस ओवर को याद करके फैंस रोमांच से भर जाते हैं।

रोहित शर्मा ने आखिर क्यों भारतीय खिलाड़ियों से कंफर्ट जोन से बाहर निकलने की अपील

(आधुनिक समाचार सेवा)

मोहाली । टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का चयन हो चुका है और इस अहम टूर्नामेंट से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चाहते हैं कि उनकी टीम के खिलाड़ी 'कंफर्ट जोन' (आरामदायक स्थिति) से बाहर निकले तथा अगले महीने होने वाले आइसीसी टूर्नामेंट से पहले ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले जाने वाले छह मैचों में अपने खेल में कुछ नई चीज जोड़ें। रोहित ने कहा कि खिलाडियों पर अब टीम के चयन को लेकर दबाव नहीं है और ऐसे में वे अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा सकते हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच से पूर्व कहा कि मैं टीम में सुरक्षा की भावना लाना चाहता था और इसलिए हमने इन दोनों श्रृंखलाओं तथा टी20 विश्व कप 2022 के लिए टीम घोषित कर दी। एशिया कप में भी लगभग हमारी यही टीम थी। उन्होंने कहा कि इन छह मैचों में हम यह आजमाना चाहते हैं कि हम विभिनन शैलियों में क्या हासिल कर सकते हैं। यह नए तरीके आजमाने से जुड़ा है जिसकी कोई सीमा नहीं है। आप टीम के लिए कई चीजें हासिल करने के लिए खुद को कई दिशाओं में आगे बढ़ा सकते हैं। विराट कोहली एशिया कप में अपने 'कंफर्ट जोन' से बाहर निकले और उन्होंने स्वीप शॉट खेला जैसा कि वह पहले नहीं किया करते थे। रोहित चाहते हैं कि यहां तक कि गेंदबाज भी अपनी सीमा को आगे तक ले जाएं। रोहित ने कहा कि हम खिलाडियों को अधिक चीजें आजमाने के लिए प्रेरित करेंगे। उदाहरण के लिए जो बल्लेबाज रिवर्स स्वीप नहीं खेल सकता क्या वह ऐसा कर सकता है और क्या वह ऐसा सही तरीके से कर सकता है।

318 खिलाड़ियों के लिए आज लगेगी बोली, 6 टीमें करेंगी शिरकत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका टी20 लीग का पहला सीजन जनवरी 2023 में होने खेला जाएगा। इसमें 6 फ्रेंचाइजी टीम शामिल होगी जिसमें एमआई केप टाउन, डर्बन सुपर जाएंट्स, जोहानसबर्ग सुपर किंग्स, पार्ल रॉयल्स, प्रीटोरिया कैपिटल्स और सनराइजर्स इस्टर्न कैप शामिल हैं। इन टीमों ने 5-5 खिलाड़ियों को पहले ही साइन कर लिया है लेकिन एक टीम को 17 खिलाड़ी रखना है और बाकी बचे 12 खिलाड़ियों के लिए 19 सितंबर को होने वाले ऑक्शन में टीमें भिड़ेंगी। साउथ अफ्रीका टी20 लीग के पहले सीजन के लिए साउथ अफ्रीका के कन्वेंशन सेंटर में खिलाड़ियों का जमावड़ा लगेगा जिसमें 6 फ्रेंचाइजी मिलकर 318 खिलाडियों पर बोली लगाएंगे। यूं तो 500 से ज्यादा खिलाड़ियों ने इसके लिए रजिस्ट्रेशन किया था लेकिन उसमें से केवल 318 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। 318 खिलाड़ियों की सूची में 248 खिलाड़ी साउथ अफ्रीका के होंगे जिसमें तबरेज शम्सी, ड्वेन प्रिटोरियस और रासी वैड डर दुसेन जैसे खिलाड़ी शामिल होंगे। ओवरसीज खिलाड़ियों की बात करें तो ओएन मॉर्गन, आदिल राशिद, ओडियन स्मिथ और जेशन रॉय जैसे खिलाड़ी शामिल होंगे। हर टीम, 17 खिलाड़ियों को अपने टीम में शामिल कर सकता है। इस टीम में 7 ओवरसीज खिलाड़ियों के अलावा 10 स्थानीय खिलाड़ियों को रखना अनिवार्य होगा। जबकि अंतिम ग्यारह की बात करें तो आइपीएल की तर्ज पर 4 ओवरसीज खिलाड़ियों को रखना अनिवार्य होगा।

राशिफल

मेष-:आपका मन अच्छी चीजों को प्राप्त करने के लिए खुला रहेगा। विशेष लोग ऐसी किसी भी योजना में पैसा लगाने के लिए तैयार रहेंगे।

वृष-:आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। दोस्तों और परिचितों के साथ समय बिता सकते हैं। प्रेम प्रसंग शुरू होने की संभावना है।

मिथुन-:आपकी योजनाओं में अंतिम समय में परिवर्तन हो सकता है. जीवनसाथी द्वारा किसी छोटी सी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कर्क-:आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित और सराहेंगे। ऐसी चीजें खरीदने के लिए आज का दिन अच्छा है, जिनकी कीमत बाद में बढ़ सकती है।

सिंह-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। कोई नया काम शुरू करने और समस्याओं को सुलझाने के लिए दिन बेहतर है।

कन्या-:किसी ऐसे स्रोत से धन कमा सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा भी नहीं होगा. एक नया पारिवारिक व्यवसाय शुरू करने के लिए यह एक शुभ दिन है।

तुला-:किसी मित्र की उदासीनता आपको परेशान करेगी. लेकिन अपने आप को शांत रखें। इसे समस्या न बनने दें और इससे बचने की कोशिश करें।

वृश्चिक-:दिन की शुरुआत आपके लिए अच्छी रहेगी. घर में खुशियों का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य आज फिट और ठीक रहेगा।

धनु-:आपको अपने व्यापार में काफी सफलता मिलेगी. कानून के झांसे में न आएं, इस बात का ध्यान रखें। व्यापार के लिए भविष्य की योजना सफलतापूर्वक पूरी होगी।

मकर-:सामाजिक मेलजोल से स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए. माता-पिता की मदद से आप आर्थिक संकट से बाहर निकलने में सफल रहेंगे।

कुंभ-: पिता के बताए रास्ते पर चलेंगे तो आपको सफलता अवश्य मिलेगी. किसी पुरानी बात को लेकर परेशान होने की बजाय आगे बढ़ने की कोशिश करें, आपको अच्छे नतीजे मिलेंगे।

मीन-:आज आपका तनाव दूर होगा. आपके काम में आ रही रुकावटें दूर होंगी। विपरीत लिंग के व्यक्ति के प्रति आकर्षण आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की खैर नहीं, विराट कोहली उनकी कुटाई के लिए कर रहे हैं खास तैयारी

(आधुनिक समाचार सेवा)

चंडीगढ़। एशिया कप 2022 में शानदार बल्लेबाजी कर लय में लौटे विराट कोहली ने रविवार को मोहाली स्थित आइएस बिंद्रा स्टेडियम में शाट बाल पर लंबे हिट्स लगाए। इंडिया-आस्ट्रेलिया के बीच 20 सितंबर को आयोजित होने वाले टी -20 मैच से पहले विराट कोहली समेत सभी खिलाड़ियों ने नेट्स प्रैक्टिस में हिस्सा लिया। इस दौरान हैड कोच राहुल द्रविड़ और बैटिंग कोच विक्रम राठौर भी मौजूद रहे रहे। विराट कोहली सबसे पहले नेट्स प्रैक्टिस के लिए पहुंचे। उन्होंने थ्रो बाल और शाट बाल पर लंबे हिट्स लगाने की प्रैक्टिस की। बैटिंग कोच विक्रम राठौर ने खुद तकरीबन 50 से ज्यादा थ्रो बाल फेंक कर विराट को बल्लेबाजी की प्रैक्टिस करवाई। इसके बाद विराट ने टीम के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल, हार्दिक पांड्या समेत पीसीए के युवा गेंदबाजों के साथ अभ्यास किया। विराज के साथ बल्लेबाज सूर्य कुमार यादव,रोहित शर्मा और केएल राहुल ने भी तकरीबन 45 मिनट तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। वहीं भुवनेश्वर कुमार, हार्दिक पांड्या और दीपक चाहर ने प्रैक्टिस के दौरान यार्कर और बाउंस डालने की प्रैक्टिस की। इस दौरान हेड कोच राहुल द्रविड भी गेंदबाजों के पास जाकर उनसे बातचीत करते हुए नजर आए। एशिया कप टूर्नामेंट में बाहर रहे अक्षर पटेल को इस सीरीज में शामिल किया गया है। उन्होंने पीसीए स्टेडियम में नेट्स पर तकरीबन एक घंटे तक बल्लेबाजी का अभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने तेज व स्पिन दोनों गेंदबाजों की गेंदों पर शाट लगाए। इसके बाद इन गेंदबाजों ने काफी समय तक कप्तान रोहित शर्मा,रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक को गेंदबाजी कर खुद को परखा। भारतीय टीम के गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने गेंदबाजी में हाथ नहीं अजमाया, उन्होंने लोकल गेंदबाजों पर शाट लगाकर खुद का आत्मविश्वास बढ़ाया। नेट्स प्रैटिक्स के बाद टीम के कोच राहुल द्रविड़,विक्रम राठौर, दिनेश कार्तिक के बीच अंतिम ओवर्स में लंबे हिट्स लगाने को लेकर बातचीत हो रही थी।

मो0 कैफ ने खेली 73 रन की दमदार पारी, फिर यूसुफ ने अपनी इनिंग से भाई इरफान की टीम को दिला दी जीत

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। मो. कैफ की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद मणिपाल टाइगर्स को भीलवाड़ा किंग्स ने तीन विकेट से हरा दिया। मणिपाल टाइगर्स के 153 रनों का पीछा करते हुए भीलवाड़ा किंग्स की टीम ने यूसुफ पठान की धाकड़ बल्लेबाजी से दो गेंद शेष रहते ही मैच जीत लिया। इससे पहले इकाना स्टेडियम में रविवार को खेले गए लीजेंड्स क्रिकेट लीग के तीसरे मुकाबले में भीलवाड़ा किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इस मुकाबले में भीलवाड़ा किंग्स के गेंदबाजी करने के इस फैसले का फायदा भी दिखा। इरफान ने पहले ही ओवर में मात्र तीन रन देकर मणिपाल के ओपनर को पवेलियन की राह दिखाई। मणिपाल टाइगर्स की टीम ने 10 ओवर में 59 रन पर पांच विकेट खो दिए थे। मणिपाल के ओपनर बल्लेबाज रविकांत शुक्ला ने पांच गेंदो का सामना करते हुए मात्र एक रन पर चलते बने, जबकि नमन ओझा की गेंद पर स्वपिन्ल कैच आउट हो गए। स्वपिन्ल ने कुल आठ गेंद खेलकर चार रन बनाए थे। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे एंडरसन, एडव?र्ड्स की पहली गेंद पर एलबीडब्लूयू हो गए। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे मोहम्मद कैफ ने टीम को संभाला और दस चौकों की मदद से 59 गेंदों पर 73 रनों की शानदार पारी खेली। पावेल मात्र तीन गेंद में तीन रन पर ही आउट हो गए। पावेल के बाद बल्लेबाजी करने उतरे टैबू तीन चौकों के दमपर 12 गेदों में 17 रन बनाए। टैबू 13वीं गेंद पर पनेसर की गेंद पर एलबीडब्लूयू हो गए। कैफ का साथ देते हुए प्रदीप साहू ने दो चौके और तीन छक्के की मदद से 19 गेंदों पर 30 रनों की पारी खेली। वहीं, दो चौके की मदद से शिवाकांत शुक्ला ने 13 गेंदों पर नाबाद 16 रन जड़े। एडव?र्ड्स ने झटके चार विकेट भीलवाड़ा किंग्स के कप्तान इरफान पठान ने तीन ओवर में 14 रन देकर एक विकेट चटकाया। वहीं, एडव?र्ड्स ने चार ओवर में 30 रन खर्च कर चार विकेट झटके। इसके अलावा टोनी बेस्ट में चार ओर में 39, दिनेश सलूंखे ने तीन ओवर में 19 दिए। मोंटी पेनसर ने तीन ओवर में 19 रन देकर एक विकेट और श्रीसंथ ने तीन ओवर में 31 रन खर्च कर एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए भीलवाड़ा किंग्स की टीम ने 19.4 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 156 रन बनाकर मैच जीत लिया। ओपनिंग करने उतरे नमन ओझा और विलियम पोर्टरफिल्ड ने दस रन का योगदान दिया। नमन पांच गेंद में छह रन और विलियम पोर्टरफिल्ड ने चार पर चार रन जोड़े। इसके बाद निक कॉम्पटन ने 18 गेंदों में 18 रन जड़े। भीलवाड़ा किंग्स से खेल रहे लखनऊ के तन्मय श्रीवास्तव ने 28 पर 28 रन बनाकर टीम को संभाला। इसके बाद बल्लेबाजी की कमान यूसुफ पठान के हाथों में आई। यूसुफ ने दो चौके और चार छक्के की मदद से 28 पर 44 रनों की धुंआधार पारी खेली। राजेश विशनेई ने टीम के लिए 15 गेंदों में 13 रन, इरफान पठान ने 13 पर 15 बनाए। मैट एक रन पर आउट हो गए। इस दौरान टीम लड़खड़ा गई। इसके बाद टीनों बेस्ट सात गेंदों में 15 रन जड़कर टीम को विजय दिलाई। मणिपाल टाइगर्स- हरभजन सिंह (कप्तान), ब्रेट ली, मुथैया मुरलीधरन, फिल मस्टर्ड, मोहम्मद कैफ, रेयान साइडबाटम, लांस क्लूजनर, दिमित्री मस्करेनहास, रोमेश कालूविथतर्णा, रतिंदर सोढ़ी, परविंदर अवाना, वीआरवी सिंह। भीलवाड़ा किंग्स- इरफान पठान (कप्तान), यूसुफ पठान, शेन वाटसन, मोंटी पनेसर।

सम्पादकीय

कश्मीर की सियासत से कांग्रेस पार्टी की कलह तक, क्यों छूट रहा साथ

गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य, सांसद और विपक्ष के नेता के रूप में कश्मीर के मूल विचार के लिए आवाज उठाई। यह नियति का एक दुर्भाग्यपूर्ण मोड़ है कि संसद से हटने के बाद उन्होंने कश्मीर के विपरीत विचार को अपनाया है। वर्ष 1947 के बाद से कश्मीर पर दो विरोधाभासी विचार रहे हैं। समय-समय पर ये विचार परिवर्तित होकर नए संस्करणों में बदलते रहे हैं और आभास देते हैं कि कश्मीर पर दो से अधिक विचार हैं। लेकिन वास्तव में केवल दो ही विचार हैं और वे एक दूसरे का विरोध करते हैं। मूल विचार कश्मीर के इतिहास और विलय के समझौते (इंस्ट्रूमेंट ऑफ अक्सेशन) से जुड़ा है, जिस पर 26 अक्तूबर, 1947 को कश्मीर के महाराजा हरि सिंह ने हस्ताक्षर किए थे। संविधान सभा ने विलय के दस्तावेज को मान्यता दी और कांग्रेस पार्टी ने इसके पीछे के विचार को अंगीकार किया। हालांकि कांग्रेस पार्टी ने वर्षों में अपनी स्थिति को उदार किया, लेकिन हर अवसर पर इस विचार के मूल- विशेष दर्जा- की पुष्टि की। इसके विपरीत विचार की उत्पत्ति का श्रेय श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जाता है, जो कि 1947 में जवाहरलाल नेहरू के पहले मंत्रिमंडल के सदस्य थे। आरएसएस और भाजपा सहित उसके राजनीतिक संगठनों ने मुखर्जी के विचार को गले लगाया, वर्षों से इसमें परतें जोड़ीं और इसे इस हद तक विकृत कर दिया कि उन्होंने विलय के समझौते को ही खारिज कर दिया। कांग्रेस का अटल नजरिया पांच अगस्त, 2019 को भाजपा सरकार ने जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को समाप्त करने का चरम कदम उठाते हुए राज्य को विखंडित कर दिया और दो केंद्र शासित प्रदेशों– जम्मू और कश्मीर और लद्दाख का निर्माण किया। इसके अगले दिन कांग्रेस कार्यसमिति ने एक आपात बैठक बुलाई और एक प्रस्ताव पारित किया, जो कुछ इस तरह था: 'कांग्रेस कार्यसमिति एकतरफा, निर्लज्ज और पूरी तरह से अलोकतांत्रिक तरीके से संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और संविधान के प्रावधानों की गलत व्याख्या करके जम्मू और कश्मीर राज्य को तोड़ने की निंदा करती है...अनुच्छेद 370 जम्मू और कश्मीर राज्य और भारत के बीच विलय की शर्तों की सांविधानिक मान्यता है। इसका तब तक सम्मान किया जाना चाहिए था, जब तक कि सभी वर्गों के लोगों की सलाह और भारतीय संविधान के प्रावधानों का दृढ़तापूर्वक पालन करते हुए इसमें संशोधन न किया जाए।' कांग्रेस कार्यसमिति के वरिष्ठ और लंबे समय से सदस्य श्री गुलाम नबी आजाद इस बैठक में मौजूद थे और उन्होंने इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया था। कदम अपरिवर्तनीय नहीं मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कथित 'कानूनी' कदमों को याद करना जरूरी है: 1. संसद में कोई भी संविधान (संशोधन) विधेयक पेश या पारित नहीं किया गया। 2. पांच अगस्त, 2019 को सरकार ने अनुच्छेद 370 (1) के तहत एक आदेश पारित किया। ऐसा करते हुए उसने 1954 के इसी तरह के आदेश का उल्लंघन किया और अनुच्छेद 367 (संविधान की व्याख्या से संबंधित अनुच्छेद) में खंड (4) जोड़ दिया। 3. उसी दिन सरकार अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने के लिए संसद में एक प्रस्ताव लेकर आई, जिसे दोनों सदनों ने कथित रूप से संविधान के अनुच्छेद 370 (3) के परंतुक के रूप में पारित कर दिया। 4. उसी दिन सरकार ने राज्यसभा में जम्मू और कश्मीर (पुनर्गठन) विधेयक, 2019 पेश किया और पारित करवाया, जिसमें राज्य को दो केंद्र शासित क्षेत्रों में विभाजित करने का प्रावधान था। अगले दिन लोकसभा ने भी इसे पारित कर दिया। यह कथित रूप से संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत किया गया। 5. छह अगस्त, 2019 को राष्ट्रपति ने कथित रूप से संविधान के अनुच्छेद 370 (3) के तहत एक अधिसूचना जारी की जिसमें घोषित किया गया कि छह अगस्त, 2019 से अनुच्छेद 370 के सभी खंड निष्प्रभावी हो गए हैं, सिवाय एक खंड के जिसे उसी अधिसूचना में जोड़ा गया था।

पीएम मोदी के उपहारों की हो रही नीलामी, एनसीसी पूर्व छात्र कार्ड, राम मंदिर के मॉडल हैं शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिले उपहारों की ई-नीलामी उनके जन्मदिन के अवसर पर शुरू हो गई है। इस मौके पर उनको मिले प्रतीक चिन्हों और उपहारों आदि की ई-नीलामी वेबसाइट के जरिये की जा रही है। पीएम मोदी को मिले 1200 से ज्यादा प्रतिष्ठित और स्मरणीय स्मृति चिह्नों की यह ई-नीलामी दो अक्टूबर तक चलेगी। संस्कृति मंत्रालय ने पीएम मोदी के उपहारों की चौथी ई-नीलामी का आयोजन कर रहा है।इस ई-नीलामी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एनसीसी पूर्व छात्र कार्ड, अयोध्या में आगामी राम मंदिर के कई माडल और चेनन्ई में हाल ही में आयोजित शतरंज ओलंपियाड के शुभंकर की एक मूर्ति उन वस्तुएं भी शामिल हैं, जो प्रधानमंत्री को उपहार में दिए गए स्मृति चिन्ह की आनलाइन नीलामी में अत्यधिक मांग में हैं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक मॉडल प्रतिमा और राष्ट्रमंडल खेलों के खेल यादगार सहित 1,200 से अधिक वस्तुओं की ऑनलाइन नीलामी शनिवार को शुरू हुई और 2 अक्टूबर तक चलेगी नीलामी वेब पोर्टल ज्ञ्ससहूदे ुदन.ग्ह के माध्यम से आयोजित की जा रही है और इसमें एक खंड है जो 'सबसे अधिक भाग लेने वाली नीलामी' शीर्ष के तहत वस्तुओं को सूचीबद्ध करता है। इनसामानों में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) द्वारा मोदी की तस्वीर, आजीवन सदस्य, वर्ष 2021 और निदेशालयः गुजरात, को प्रदर्शित करने वाले पूर्व छात्र कार्ड के रूप में दिया गया एक स्मृति चिन्ह है। डीडी और डीएनएच एलुमनी कार्ड को रविवार सुबह करीब 11 बजे तक 20 से अधिक बोलियां मिल चुकी हैं।इस श्रेणी की अन्य वस्तुओं में अयोध्या में आगामी राम मंदिर के विभिन्न

आयामों और वजन के कई माडल शामिल हैं। इनमें से एक माडल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रधानमंत्री को प्रस्तुत किया गया था छोटे पैमाने पर लकड़ी के माडल में अयोध्या में राम मंदिर को कांच के जार में रखा गया है। यह भगवान राम की जन्मभूमि के स्थान पर बनाया जा रहा एक मंदिर है। अभयारण्य का मुख्य निर्माण एक ऊँचे चबूतरे पर आधारित है और इसमें तीन मंजिल हैं।इसके 'गर्भगृह' में पांच मंडप हैं जिन्हें प्रतिकृति माडल पर डिजाइन किया गया है। माडल को संरचना के सभी किनारों और कोनों पर कई जीवंत फूलों से सजाया गया है। 6 किलो वजनी, मॉडल के आयाम 45 सेमी 41 सेमी 36 सेमी हैं। इस गिफ्ट किए गए आइटम का बेस प्राइस 10,800 रुपये है। अन्य राम मंदिर मॉडल में शामिल हैं एक का वजन 2.5 किलोग्राम है जो 46 सेमी 30 सेमी 35 सेमी तक फैला हुआ है; नीलामी वेबसाइट के अनुसार, एक अन्य का वजन 3.2 किलोग्राम और एक और मॉडल का वजन 1.75 किलोग्राम है।धातु के 'शंख' (शंख), भगवान गणेश की मूर्ति, त्रिशूल और तिरुपति बालाजी महाराज की लकड़ी की मूर्ति की प्रतिकृति सहित कई अन्य धार्मिक वस्तुएं भी 'सबसे अधिक भाग लेने वाली नीलामी' की श्रेणी में हैं। ठतिरुपति बालाजी भगवान विष्णु के अवतार हैं। भगवान बालाजी को उनके माथे पर 'तिलका', उनके बाएं कंधे पर एक 'शंख', उनके दाहिने कंधे पर एक 'चक्र' (डिस्क), भूदेवी के रूप में दिखाया गया है। उनका दाहिना हाथ अभय मुद्रा में है जबकि बायां उनकी कमर पर टिका हुआ है।यह आंध्र प्रदेश के राज्यपाल, बिस्वा भूषण हरिचंदन द्वारा प्रधान मंत्री मोदी को प्रस्तुत किया गया था। विस्तृत रूप से धातुई 'शंख' एक उत्कृष्ट वस्तु है और इसे लाल मखमली बॉक्स के अंदर रखा गया है। विवरण में कहा गया है कि, उभरा हुआ शंख भगवान विष्णु को शेषनाग पर आराम करते हुए दर्शाता है, जिसमें देवी लक्ष्मी उनके पैरों की मालिश करती हैं। खोल के ऊपरी भाग को पुष्प रूपांकनों से सजाया गया है। विष्णु को गदा, कमल, शंख जैसे गुणों को धारण करते हुए दिखाया गया है जबकि उनका चौथा हाथ उनकी जांघ पर टिका हुआ है। 10 सेमी लंबाई में फैले, इसका वजन 1150 ग्राम है और रविवार को सुबह 11 बजे तक 30 से अधिक बोलियां प्राप्त हुई हैं।चेनन्ई 2022 में शतरंज ओलंपियाड के आधिकारिक लोगो और शुभंकर का प्रतिनिधित्व करने वाली एक मूर्ति भी चल रही नीलामी में अत्यधिक मांग वाली वस्तुओं में से एक है। भारत ने हाल ही में चेनन्ई में इर्ध्र्शतरंज ओलंपियाड की बहुत धूमधाम से मेजबानी की। इसका आधिकारिक लोगो थम्बी नाम का एक शतरंज का शूरवीर था। यह थंबी नाम का एक शतरंज का शूरवीर है और इसे पारंपरिक तमिल पोशाक में वणक्कम (हाथ जोड़कर) कहा जाता है। थंबी नाम भाईचारे का प्रतीक है और यह इंगित करता है कि हम सभी एक बिरादरी के हैं।शुभंकर प्रतिमा 31-सेमी-ऊंची है और इसका वजन 1650 ग्राम है और इसे रविवार को सुबह 11 बजे तक 30 से अधिक बोलियां प्राप्त हुई हैं। एक गदा, एक अलंकृत तलवार, अशोक स्तंभ की एक धातु की मूर्ति और नटराज की एक मूर्ति भी 'सबसे अधिक भाग लेने वाली नीलामी' श्रेणी में है। एक हाथी की सोने की परत वाली लघु मूर्ति, जिसकी सूंड ऊपर की ओर उठी हुई है, एक लकड़ी का शतरंज बोर्ड जिसमें पीतल से बने 32 शतरंज के टुकड़े हैं और एक ब्रीफकेस के अंदर रखा गया है, यह भी नीलामी का हिस्सा है। अंग्रेजी में लिखा गया एक मिशन स्टेटमेंट दिखाने वाली एक फ्रेमयुक्त तस्वीर, जो हर तरफ फूलों की सीमाओं से घिरी हुई है, जिसमें वाक्यांश बनाने वाली सभी पंक्तियों के पहले अक्षर और भाषण देने वाले मोदी की एक मूर्ति भी मांगी जा रही है। इसके अलावा, राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली और रजत पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम द्वारा ऑटोग्राफ की गई एक सफेद टी-शर्ट, नीलामी वेबसाइट के अनुसार, 3 लाख रुपये के आधार मूल्य के साथ भी उस श्रेणी में है।

जापान में पूंजीवादी और साम्यवादी विचारधारा पर एक नजर

पूंजीवाद की विफलताओं का सामना कर रहे जापान की दशा पर कैपिटल इन द एंथ्रोपोसिन जैसी किताब लिखने वाले कोहेई सैटो को लगा था कि मार्क्सवाद के पहलुओं पर आधारित पुस्तक का चलना कठिन होगा, पर अब तक इसकी पांच लाख से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। आजकल जापान के मानस में एक अद्भुत हलचल है, जिसकी लेखन जगत में भी बहुत चर्चा है। साम्यवाद कभी जापान को प्रभावित नहीं कर पाया। पूंजीवाद ने जापान को बहुत कुछ दिया। द्वितीय विश्वयुद्ध में हिरोशिमा और नागासाकी की ऐतिहासिक मार के बाद पूंजीवादी दुनिया का सिरमौर बने जापान को एक बार तो पूंजीवाद का आदर्श-सा माना जाने लगा था। लेकिन लगता है अब जापान पूंजीवाद का पल्लू छोड़ जीवन के नए विकल्प खोज रहा है। जापानियों को लुभाने वाला एक मंत्र एक 'हरित घोषणा पत्र' के रूप में कोहेई सैटो की पुस्तक कैपिटल इन द एंथ्रोपोसिन में प्रकट हुआ है। जापानी लोगों, विशेषकर युवाओं में, यह पुस्तक एक अप्रत्याशित हिट बन गई है और इसका अंग्रेजी में अनुवाद किया जा रहा है।

हवा से होता पौधरोपर्ण ग्लोबल वार्मिंग से मिलेगी राहत

कम समय में सघन पौधरोपण के लिए इसे शहरी एवं सीमित क्षेत्रों के लिए उपयोगी बताया गया है। इस पद्धति में एक सीमित क्षेत्र को भरपूर खाद देकर तैयार किया जाता है एवं फिर बहुत नजदीक पौधे रोपे जाते हैं। देश-विदेश में सामान्यतः वर्षा के मौसम में पौधरोपण किया जाता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में इसे पवित्र एवं पुण्य का कार्य बताया गया है। पारंपरिक पौधरोपण में गड्ढा खोदकर, खाद डालकर मनचाहे पौधे लगाए जाते थे। पौधरोपण में गड्ढा खोदने के कठिन कार्य को इंदौर के सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रितुराज टोंग्या भरपूर खाद देकर तैयार किया जाता है एवं फिर बहुत नजदीक पौधे रोपे जाते हैं। खाद की प्रचुरता होने से पौधों की वृद्धि 10 गुना तेज होती है एवं तीन वर्षों बाद उसके देखभाल की ज्यादा जरूरत नहीं रहती। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने बताया है कि पृथ्वी से लगभग 70 हजार वर्ग किलोमीटर जंगल प्रतिवर्ष समाप्त हो जाते हैं। वनों के खात्मे के साथ बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण एवं कई अन्य विकास कार्यों के चलते 'ग्लोबल वार्मिंग' और अन्य जलवायु संकट की समस्या गहराने लगी है। पर आजकल विज्ञान एवं हेलिकॉप्टरों और अब ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जाने लगा है। ड्रोन का कार्य एवं नियंत्रण हवाई-जहाज एवं हेलिकॉप्टर की तुलना में काफी सरल होता है। जिन क्षेत्रों में इंसान की पहुंच आसान नहीं है, वहां यह काफी उपयोगी है। हमारे देश में तेलंगाना स्थित 'मारुति ड्रोन्स टेक लिमिटेड' ने हरा-भरा अभियान शुरू किया है। इसके तहत 'स्पीड कॉप्टर ड्रोन' से पौधरोपण किया जाएगा। वहां स्थित 'केबीआर पार्क' में यह कार्य सफलता-पूर्वक किया गया है। इस अभियान को वहां के 33 जिलों में चलाए जाने की तैयारी है।

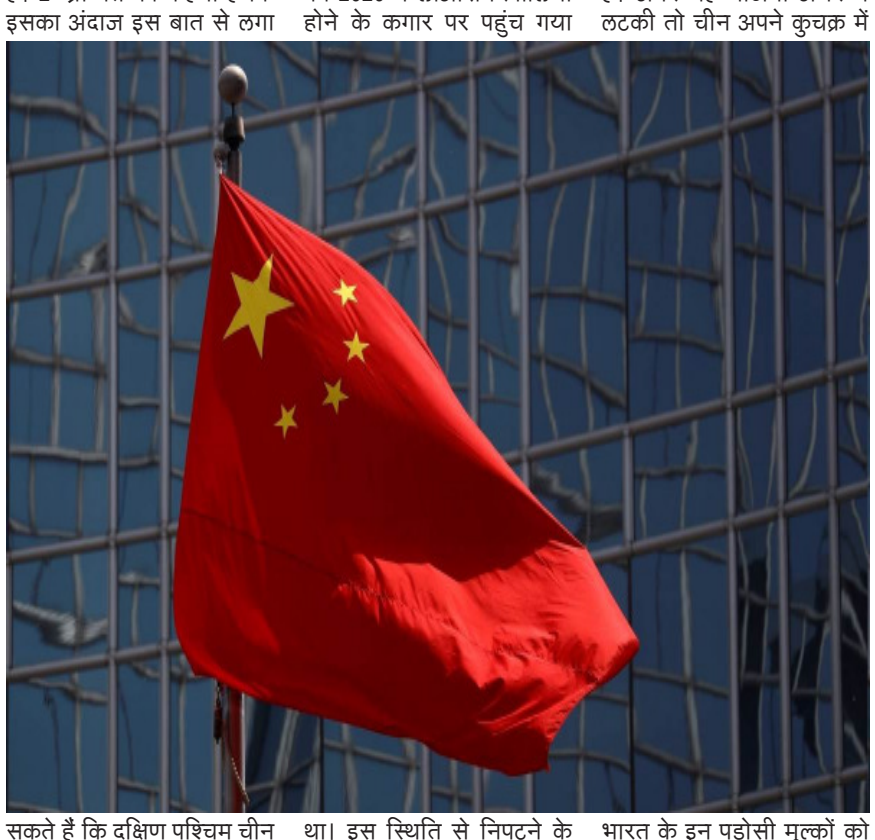

ने काफी आसान बना दिया है। उनकी बनाई मशीन से दो लोग एक गड्ढा एक-दो मिनिट में खोद देते हैं। पिछले चार-पांच वर्षों में इससे 20 हजार गड्ढे खोदे जा चुके हैं। लेकिन गड्ढे खोदने एवं फिर पौधा लगाने के झंझट से बचने के लिए 'बीज-गेंद' (सीड-बॉल) विधि भी अपनाई जाने लगी है। यह विधि शहरों के बजाय पहाड़ी क्षेत्रों के लिए ज्यादा उपयोगी बताई गई है। गेंद में रखे बीज अनुकूल मौसम में अंकुरित हो नए पौधे को जन्म देते हैं। पेड़ कटने के बाद उसकी जगह पर नए पौधे लगाकर उसे बड़ा करने में काफी समय लग जाता है। इसी बात को ध्यान में रखकर जापान के वनस्पति-शास्त्री प्रो. अकीस मिसावाकी ने पौधरोपण की एक नई विधि प्रस्तुत की, जिसे 'मियाता की पद्धति'कहा गया। कम समय में सघन पौधरोपण के लिए इसे शहरी एवं सीमित क्षेत्रों के लिए उपयोगी बताया गया है। इस पद्धति में एक सीमित क्षेत्र को सूचना-प्रौद्योगिकी के विकास के चलते पौधरोपण के कार्य में भी परिवर्तन हुए हैं। वर्ष 1990 के आसपास अमेरिकी 'मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनेलॉजी' (एमआईटी) के प्रो. मोशे अलमाटो ने हवाई जहाज से जमीन पर पौधों की बमबारी की योजना बनाई। इसके पीछे विचार यही था कि इससे पौधरोपण तेज गति से होगा, पेड़ जल्दी विकसित होंगे एवं 'ग्लोबल वार्मिंग' से कुछ राहत मिलेगी पौधों की बमबारी हेतु 9-10 इंच लंबे बायोडिग्रेडेबल पदार्थ के कोन या कनस्तर तैयार कर उसमें मिट्टी, खाद एवं पौधे रखे गए। नमी के कारण इन कनस्तरों का नुकीला भाग जमीन में धंस जाता है। एक बार की उड़ान से एक लाख पौधों के रोपण की संभावना बताई गई। इस्राइल के रेगिस्तान एवं यूरोप की कुछ पहाड़ियों पर इस विधि से पौधे रोपे गए। बाद में इस काम के लिए लड़ाकू विमानों, इसके अलावा, जबलपुर (मध्य प्रदेश) स्थित 'ज्ञान गंगा निजी इंजीनियरिंग कॉलेज' के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल एवं कंप्यूटर विज्ञान के विद्याथिर्यों ने मिलकर 'ग्रीन रोबोट' तैयार किया है। बैटरी एवं मोबाइल ऐप से संचालित यह रोबोट एक बार में 2,000 पौधे लगा सकता है। यह इंटरनेट से कमांड देने पर बताई जगह पर जाकर पौधरोपण करता है'जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय' के तहत संचालित 'राष्ट्रीय विकास योजना' में देश भर से आए 30 प्रोजेक्ट में इसका चयन पिछले वर्ष किया गया है। विज्ञान की विकसित तकनीकों का उपयोग कर हम तेजी से पौधरोपण करके 'ग्लोबल वार्मिंग' एवं अन्य जलवायु समस्याओं से थोड़ी निजात प्राप्त कर लें, परंतु ऐसे में पेड़ों से हमारा भावनात्मक लगाव शायद कम हो जाएगा।

चीन के 'लोन डिप्लोमेसी' में फंसा नेपाल क्या श्रीलंका से नहीं लिया सबक आखिर क्यों चिंतित हुआ भारत

चीन ने भारत के पड़ोसी मुल्क नेपाल में अपनी महत?वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव बीआरआई प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाने के लिए एक नया समझौता कर लिया है। चीन और नेपाल की यह निकटता भारत को चिंता में डाल सकती है। दक्षिण एशिया के कई मुल्क इस परियोजना के हिस्सा बन चुके हैं। चीन की महत्वाकांक्षी बेल?ट एंड रोड परियोजना में कई देश चीन के कर्ज में डूब चुके हैं। दुनिया ने चीन की खतरनाक लोन डिप्लोमेसी के परिणाम श्रीलंका और पाकिस्तान में देख लिया है। आइए जानते हैं कि क्या है चीन की लोन डिप्लोमेसी। इसके क?या होंगे दूरगामी परिणाम। आखिर चीन किस योजना पर कर रहा है काम। भारत किस तरह से हो रहा है प्रभावित। 1- विदेश मामलों के जानकार प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि पूरी दुनिया में खासकर दक्षिण एशिया में चीन अपना पांव पसार रहा है। यह भारत के लिए खतरा है। वह भारत की संप्रभुता के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि चीन की महाशक्ति बनने की होड़ में पूरी दुनिया का शक्ति संतुलन अस्थिर हो गया है। चीन की खतरनाक लोन डिप्लोमेसी ने कई देशों को अपने कर्ज के चंगुल में फंसा दिया है। चीन ने इस प्रोजेक्ट की आड़ में करीब 385 बिलियन डालर तक का कर्ज कई गरीब देशों को दिया है। उन्होंने कहा कि चीन इसके जरिए कई गरीब मुल्कों को आर्थिक गुलामी की ओर ले जा रहा है। चीन की यह रणनीति उन मुल्कों की एकता और अखंडता के लिए भी खतरनाक है। 2- प्रो पंत का कहना है कि इसका अंदाज इस बात से लगा भी खर्च वह वहन नहीं कर सकता। बावजूद इसके 59 बिलियन डालर की इस योजना में उसे शामिल किया गया है। वर्ष 2020 में लाओस दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया परियोजना के तहत भारत के पड़ोसी मुल्कों श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल को भारी कर्ज दे रखा है। अगर यह योजना अधर में लटकी तो चीन अपने कुचक्र में

सकते हैं कि दक्षिण पश्चिम चीन को सीधे दक्षिण पूर्व एशिया से जोड़ने वाली चीनी रेल परियोजना में एक गरीब देश लाओस भी शामिल है। उन्होंने कहा कि लाओस इतना गरीब मुल्क है कि इसकी लागत का एक हिस्से का था। इस स्थिति से निपटने के लिए लाओस ने चीन को अपनी एक बड़ी संपत्ति बेच दी। यही हाल श्रीलंका और कई अन्य दक्षिण एशियाई मुल्कों का है। 3- भारत को एक और भी चिंता सता रही है। चीन ने अपनी इस भारत के इन पड़ोसी मुल्कों को फंसा सकता है। यदि ये मुल्क ऋण चुकाने में विफल रहे तो चीन इन देशों को अपना उपनिवेश बना सकता है। इनको ब्लैकमेल कर सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका इसका ताजा उदाहरण हंबनपोर्ट में जो कुछ हुआ यह इसी का परिणाम है। अगर ऐसा हुआ तो यह सीधे तौर पर भारत के सामरिक और रणनीतिक हितों को जबरदस्त चुनौती देगा। चीन की इस परियोजना के कर्ज के जाल में श्रीलंका और नेपाल जैसे छोटे देश भी फंसते जा रहे हैं। श्रीलंका को अपना हंबनटोटा बंदरगाह चीन को 99 साल के लीज पर देना पड़ा है। चीन की इस परियोजना में एशिया, यूरोप और अफ्रीका के देश सम्मलित हैं। चीन ने 65 देशों को इस परियोजना से जोड़ा है। दरअसल, यह परियोजना छह आर्थिक गलियारों की मिली-जुली योजना है। इसके तहत रेलवे लाइन, सड़क और बंदरगाह और अन्य आधारभूत ढांचे शामिल हैं। इसके तहत तीन जमीनी रास्ते भी होंगे। इसके तहत पहला मार्ग मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप के देशों की ओर जाएगा। इस मार्ग के जरिए चीन की पहुंच किर्गितान, ईरान, तुर्की से लेकर ग्रीस तक हो जाएगी। दूसरा, मध्य मार्ग मध्य एशिया से होते हुए पश्चिम एशिया और भूमध्य सागर की ओर जाएगा। इस मार्ग से चीन, रूस तक जमीन के रास्ते व्यापार कर सकेगा। इस योजना के तहत तीसरा मार्ग दक्षिण एशियाई देश बांग्लादेश की ओर जाएगा। इसके साथ पाकिस्तानी बंदरगाह ग्वादर को पश्चिम चीन से जोड़ने पर भी कार्य शुरू हो गया है। यह भारत के सामरिक हितों के विपरीत है।

संक्षिप्त समाचार

चीते तो आ गए लेकिन कब आएंगे गिर से शेर

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। 19 साल से इस प्रोजेक्ट पर किसने लगाया अड़ंगा कूनो राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1992 में सिंह परियोजना के लिए चुना गया था। मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2003 तक 29 गांवों के विस्थापन से लेकर शेर लाने की सारी तैयारी कर ली थी। इसके बाद से ही गुजरात से शेर मांगे जा रहे हैं। लेकिन किसी न किसी बहाने से वहां की सरकार इस प्रोजेक्ट में अड़ंगा लगा रही है देश में करीब 74 साल बाद चीते की वापसी हो गई है। नामीबिया से आठ चीते मध्यप्रदेश के श्योपुर में बने कूनो नेशनल

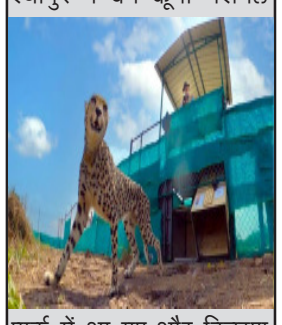

पार्क में आ गए और विचरण भी करने लगे हैं। लेकिन वर्षों के इंतजार के बाद भी गुजरात से एशियाटिक लायन (बब्बर शेर या सिंह) नहीं लाए जा सके। दरअसल, कूनो राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1992 में सिंह परियोजना के लिए चुना गया था। मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2003 तक 29 गांवों के विस्थापन से लेकर शेर लाने की सारी तैयारी कर ली थी। इसके बाद से ही गुजरात से शेर मांगे जा रहे हैं। लेकिन किसी न किसी बहाने से वहां की सरकार इस प्रोजेक्ट में अड़ंगा लगा रही है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी इस मामले में कोई प्रगति होती दिखाई नहीं दे रही है।

नरवाना कॉलेज में दो गुटों में खूनी झड़प

(आधुनिक समाचार सेवा)

नरवाना। छात्र जब कॉलेज से वापस जा रहा था तो इस वारदात को अंजाम दिया गया। शहर थाना प्रभारी शहर रामनिवास ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। जींद के नरवाना में केएम कॉलेज में बीए फाइनल इयर की अपनी डिग्री लेने आए गांव बिखेवाला निवासी छात्र मदन की दूसरे गुट

के छात्रों ने लाठी-डंडों से पीट कर हत्या कर दी। वहीं खूनी झड़प में दनोदा गांव निवासी छात्र मोहित भी गंभीर रूप से घायल हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। फिलहाल दूसरे गुट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। छात्र जब कॉलेज से वापस जा रहा था तो इस वारदात को अंजाम दिया गया। शहर थाना प्रभारी शहर रामनिवास ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव को नागरिक अस्पताल के शव गृह में रखवा कर परिजनों को सूचना दे दी गई है।

दुर्गेश पाठक को ईडी का समन सिसोदिया बोले- इनका टारगेट शराब नीति है या एमसीडी चुनाव

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में प्रवर्तन

निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी (आप) विधायक दुर्गेश पाठक को समन जारी किया है। इस बारे में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर जानकारी दी। मनीष सिसोदिया ने समन जारी करने पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि शराब नीति से दुर्गेश पाठक का क्या संबंध है शराब नीति के बहाने एमसीडी चुनाव को टारगेट किया जा रहा है। डीप्टी सीएम ने भाजपा को घेरते हुए ट्वीट कर कहा, 'आज ईडी ने आप के एमसीडी के चुनाव इंचार्ज दुर्गेश पाठक को समन जारी किया है। दिल्ली सरकार की शराब नीति से हमारे एमसीडी चुनाव इंचार्ज का क्या लेना देना इनका टारगेट शराब नीति है या एमसीडी चुनाव आज ने आप के के चुनाव इंचार्ज दुर्गेश पाठक को समन किया है। दिल्ली सरकार की शराब नीति से हमारे चुनाव इंचार्ज का क्या लेना देना इनका टार्गेट शराब नीति है ।

आम आदमी पार्टी के तीन पदाधिकारियों ने थामा हिमाचल कांग्रेस का हाथ

(आधुनिक समाचार सेवा)

हिमाचल। आप के तीन नेताओं ने नई दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजीव शुल्का की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। हिमाचल प्रदेश आम आदमी पार्टी के तीन वरिष्ठ पदाधिकारी कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। सोमवार को तीनों नेताओं ने नई दिल्ली में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी राजीव शुल्का की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। धर्मपुर से आप के प्रदेश के सचिव व प्रवक्ता सुरेंद्र बंधू, सिराज से प्रदेश सचिव व प्रवक्ता संतराम और लाहौल-स्पीति से आप के सदस्य व अधिवक्ता विक्टर धिस्सा ने कांग्रेस का हाथ थामा।

पत्नी के साथ जा रहे टायर कंपनी के सुपरवाइजर ने मेट्रो के आगे कूदकर दी जान

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। के सेक्टर 39 थाना क्षेत्र में मेट्रो के आगे कूदकर एम आर एफ टायर के सुपरवाइजर द्वारा

आत्महत्या करने का मामला प्रकाश में आया है। थाना सेक्टर-39 क्षेत्रांतर्गत राजेश पुत्र सुखबीर सिंह निवासी गांव गोची थाना बेरी जिला झज्जर, हरियाणा उम्र करीब 47 वर्ष जो अपनी पतनै के साथ अपने घर जा रहे थे, गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन पर राजेश ने मेट्रो के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-39 नोएडा पुलिस द्वारा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। मृतक राजेश सूरजपुर में एमआरएफ टायर कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर कार्यरत थे।

दंपती ने दी जानः मां की बात से खिन्न बेटे ने पिया तेजाब

(आधुनिक समाचार सेवा)

गुरुग्राम। के सेक्टर 23 पालम विहार के नजदीक चोमा गांव में किराए पर रह रहे दंपती ने आत्महत्या कर ली। महिला के मायके पक्ष ने बेटी की आत्महत्या के लिए उसकी सास को जिम्मेदार ठहराया है। मृतका की मां के मुताबिक, बेटी की मांग पर उनके दामाद ने दूध ला दिया

था। जिससे उसकी सास विवाद करने लगी थी। इसके बाद दामाद ने जहरीला पदार्थ पीकर जान दे दी। पति की मौत के बाद बेटी ने भी जहरीला पदार्थ पी लिया। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने रविवार को दोनों का शव परिजनों को सौंप दिया। झारखंड की मूल निवासी सुइली मित्रा ने बताया कि दो साल पहले उन्होंने अपनी बेटी जूही की शादी पश्चिम बंगाल के रामपुरा निवासी सुशांता घोष के साथ की थी। बाद में सुशांता बिजवासन दिल्ली में स्थित एक कंपनी में काम करने लगा और चौमा गांव में किराए पर रहने लगा। बाद में सुशांता की मां भी अपने बेटे के पास आकर रहने लगी थी। सुइली के मुताबिक बेटी को उसकी सास विवाह के बाद से ही दहेज के लिए भी परेशान करती थी और आए दिन विवाद करती थी। बीते शनिवार रात को जूही ने अपने पति से दूध रोटी खाने की इच्छा जताई तो सुशांता ने दूध मंगा दिया। इस पर जूही की सास नाराज हो गई और अपने बेटे से झगड़ने लगी। इस बात से खिन्न होकर सुशांता ने रात करीब 10 बजे तेजाब पी लिया, जिसके बाद उसकी हालत बिगड़ने पर मेट्रो अस्पताल ले गए।

सतना पहुंचे अखिल भारत वर्षीय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जगदीश यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। विंध्य क्षेत्र की धरा सतना में पहुंचे अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मा. सैकड़ों की तादात में कार्यकर्ता रहे मौजूद। रेस्ट हाउस में पत्रकारों के साथ हुई प्रेस वार्ता में संगठन को मजबूत करने का संदेश सभी

जगदीश यादव जी के प्रथम आगमन मैहर में हुआ जहां पर पूर्व मंडल अध्यक्ष भाई बिरेंद्र यादव जी के नेतृत्व में हुआ जोरदार स्वागत जय यादव जय माधव के जयकारों से गूंज उठा मैहर तत्पश्चात जगत जननी मां शारदा के दर्शन और लिए आशीर्वाद युवाओं को दिए तत्पश्चात स्वल्पाहार कर रामनगर के लिए हुए रवाना रामनगर में यादव एवं पाल महासम्मेलन का विशाल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संचालक बाल कृष्ण यादव परमसुख यादव अखिलेश यादव एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे रामचरण पाल जी सतना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि-मा.जगदीश यादव (प्रदेश अध्यक्ष यादव महासभा म. प्र.), इं.पुष्पेंद्र यादव प्रदेश अध्यक्ष युवा यादव महासभा जिला पंचायत सदस्य अलीपुरा। मा.रामपाल यादव (महासचिव अ.भा.यादव महासभा) (डायरेक्टर कृषि उपज मंडी सतना) का रामनगर में इंतजार कर रहे युवा कार्यकर्ताओं द्वारा पहुंचते ही जय यादव जय माधव की गूंज सुनाई देने लगी प्रदेश अध्यक्ष महोदय के साथ-साथ सभी मुख्य अतिथियो का एवं विशिष्ट अतिथियों का ढोल नगाड़े डीजे के साथ रामनगर की धरा पर भारी जोश के साथ जोरदार किया गया स्वागत विशिष्ट अतिथि-राजेश यादव जनपद अध्यक्ष रीवा, अरविंद यादव सतना श्री सीएल यादव कटनी, लखपत यादव रीवा, अशोक यादव पूर्व जिला अध्यक्ष रीवा, रतनेश यादव सतना रहे मौजूद अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा, संगठन को मजबूत करने वाले कार्यकर्ता रामबकस यादव ओम प्रकाश यादव , धीरज यादव, विनोद, रामनारायण यादव , दीपू यादव लवकुश यादव राजकिशोर यादव बद्री यादव पवन यादव अशोक यादव बाबू लाल यादव रामगोपाल यादव दिलीप यादव राहुल यादव तथा हजारों की तादात में युवा कार्यकर्ता रहेंगे मौजूद।

ट्रैफिक नियमों की अनदेखी,गलत पार्किंग के एक तिहाई से अधिक मामले

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर वाहनों के जाम से होने वाली परेशानियां कम नहीं हो रही हैं। तयशुदा जगहों पर वाहनों की पार्किंग ना करने से रोजाना हजारों वाहन चालकों की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। वाहनों की बेतरतीब पार्किंग से दिक्कतें लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली की सड़कों पर वाहनों के जाम से होने वाली परेशानियां कम नहीं हो रही हैं। तयशुदा जगहों पर वाहनों की पार्किंग ना करने से रोजाना हजारों वाहन चालकों की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। वाहनों की बेतरतीब पार्किंग से दिक्कतें लगातार बढ़ रही हैं। 2021 में गलत पार्किंग के सर्वाधिक चालान किए गए। नियमों की अनदेखी पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने साल भर में 4,63,732 वाहनों का चालान किया। इस साल कुल 13, 23, 256 चालान में से एक तिहाई से भी अधिक गलत पार्किंग के रहे हैं। आंकड़ों पर विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली में ट्रैफिक प्रबंधन को और बेहतर करने के लिए जरूरी है कि वाहनों की पार्किंग तयशुदा जगहों पर ही करें। तहजीब से ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार होगी और आवागमन सुलभ होगी।

फिर नशे की तस्करीः यूएसए से भारत तक फैला नेटवर्क, क्रिप्टो करेंसी और बिटकाइन से लेनदेन

(आधुनिक समाचार सेवा)

नई दिल्ली। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ओजी, एमडीएमए एक्स्टेसी, एक एलएसडी कुल 960 ग्राम मादक पदार्थ, छोटा इलेक्ट्रोनिक तराजू, पाउडर बनाने की मशीन बरामद की है। मादक पदार्थ की कीमत 29 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर ऑन डिमांड मादक पदार्थ कैलिफोर्निया, बर्लिन आदि विदेशी शहरों से कोरियर के माध्यम से मंगाकर आपूर्ति करते

हैं और एडवांस में क्रिप्टो करेंसी और बिटकाइन के माध्यम से लेनदेन करते हैं। कमिश्नरेट पुलिस ने यूएसए से भारत तक फैले नशे के ऑनलाइन रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दिल्ली के कॉलेज में पढ़ाई करने वाले फरीदाबाद सूरजकुंड निवासी भानु, अधिराज, सोनू कुमार को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर ऑन डिमांड नॉलेज पार्क, एनसीआर व देश के अन्य नामी कॉलेज के छात्रों तक नशे की खेप पहुंचाते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ओजी (ओरिजनल ग्रोवर कैलिफोर्निया वीड), एमडीएमए एक्स्टेसी, एक एलएसडी कुल 960 ग्राम मादक पदार्थ, छोटा इलेक्ट्रोनिक तराजू, पाउडर बनाने की मशीन बरामद की है। मादक पदार्थ की कीमत 29 लाख रुपये बताई गई है। आरोपी टेलीग्राम पर ग्रुप बनाकर ऑन डिमांड मादक पदार्थ कैलिफोनिच्या, बर्लिन आदि विदेशी शहरों से कोरियर के माध्यम से मंगाकर आपूर्ति करते हैं और एडवांस में क्रिप्टो करेंसी और बिटकाइन के माध्यम से लेनदेन करते हैं। डीसीपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि प्रदेश सरकार व आलाधिकारियों के निर्देश पर गौतमबुद्घ नगर पुलिस नशे के नेटवर्क को तोड़ने का काम कर रही है। इसी कड़ी में स्वॉट टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

समाज का दर्पण कहा जाने वाला मीडिया पर पूरी तरह से व्यवसायिकता हावी

(आधुनिक समाचार सेवा)

नोएडा। पूरी दुनिया ने पत्रकारिता को अपना एक अभिन्न और खास अंग माना है और साथ ही लोकतंत्र में इसको चौथा स्तंभ के रूप में माना गया है। वह 30 मई का ही दिन था, जब देश का पहला हिन्दी अखबार 'उदंत मार्तण्ड' प्रकाशित हुआ। इसी दिन को हिन्दी पत्रकारिता दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। हिन्दी के पहले अखबार के प्रकाशन को 194 वर्ष हो गए है। सन 1826 में सबसे पहले हिंदी भाषा में समाचार पत्र उदंत मार्तंड जारी हुआ था। जिससे भारतीय पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। इस दिन को ही हर साल पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस अवधि में कई समाचार-पत्र शुरू हुए, उनमें से कई बन्द भी हुए, लेकिन उस समय शुरू हुआ हिन्दी पत्रकारिता का यह सिलसिला बदस्तूर जारी है। लेकिन, अब उद्देश्य पत्रकारिता से ज्यादा व्यावसायिक हो गया है। देश की मीडिया अभी विश्वसनीयता के सबसे बड़े संकट से गुज़र रही है। अपवादों को छोड़ दें तो हमारी मीडिया की प्रतिबद्धता अब देश के आमजन के प्रति नहीं, राजनीतिक सत्ता और उससे जुड़े लोगों के प्रति है। कुछ मामलों में यह प्रतिबद्धता बेशर्मी की तमाम हदें पार करने लगी है। वह इलेक्ट्रॉनिक मीडिया हो या प्रिंट मीडिया, उस पर सत्ता और पैसों का दबाव इतना कभी नहीं रहा था जितना आज है। वज़ह साफ़ है। चैनल और अखबार चलाना अब कोई मिशन या आन्दोलन नहीं। सिर्फ पैसा कमाने का माध्यम बन गया है। चैनल हो या अखबार उसके मालिक अपने संवाददाताओं एवं पत्रकारों को सिर्फ विज्ञापन के लिए रखते हैं। न तो उन्हें सरकारी कोई सुविधा मुहैया होती है और न उनकी संस्था उन्हें कुछ देती है।आए दिन धमकाया जाता है कि विज्ञापन नहीं तो नौकरी नहीं। और इस कारण स्वच्छ पत्रकारिता करने वाले की कोई मूल्य नहीं है। उनकी लेखनी कितनी प्रखर है इसका कोई वजूद नहीं। जिन्हें एक अक्षर लिखना नहीं आता है उनके पास शब्द चयन नहीं है ऐसे लोगों को व्यवसाय कराने के लिए अखबार एवं चैनल के मालिक उन्हें बाजार मे उतार देते हैं। और उन्हे दलाली करने के लिए विवश होना पड़ता है। यहां तक कि अगर वह आदमी उस क्षेत्र से अनभिज्ञ है और वह वहां रहता भी नहीं है फिर भी उसे उस जगह से पत्रकार बना दिया जाताहै। ऐसे ही लोग पत्रकारिता जगत में दाग लगाने का काम करते है और उन्हीं के चलते साफ सुथरे पत्रकारों का भी अपमान होता है। आए दिन ऐसे दलाल पत्रकार की काली करतूत समाज में उजागर होती रहती है। यह देश और समाज के लिए शुभ संकेत नहीं दिखाई देता है। जो मुट्ठी भर लोग मीडिया को लोकचेतना का आईना और सामाजिक सरोकारों का वाहक बनाने की कोशिशों में लगे है, उनके आगे साधनों के अभाव में प्रचार-प्रसार और वितरण का गहरा संकट है। कुल मिलाकर मीडिया का जो वर्तमान परिदृश्य है, उसमें दूर तक कोई उम्मीद नज़र नहीं आती। दो ही तरह के जर्नलिज्म का दौर चल रहा है। एक दौर सुपारी जर्नलिज्म का है। जहां मुद्दे को ऐसे उछाला जाता है जैसे गांव की कोई झगड़ालू औरत छोटी-सी बात को लेकर महीनों सड़क पर निकल गाली गलौज करती रहती हो। नतीजा भारत की पत्रकारिता अपनी विश्वसनीयता को खो चुका है। ठीक उसी तरह जैसे भेड़िया आया, भेड़िया आया की कहानी में। भारत के संदर्भ में पत्रकारिता कोई एक-आध दिन की बात नहीं है, बल्कि इसका एक दीर्घकालिक इतिहास रहा है। प्रेस के आविष्कार को पुर्नजागरण एवं नवजागरण के लिए एक सशक्त हथियार के रूप में प्रयुक्त किया गया था। भारत में प्रेस ने आजादी की लड़ाई में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर गुलामी के दिन दूर करने का भरसक प्रयत्न किया। मीडिया के पवित्र मंच का इस्तेमाल भावनाएँ भड़काने, राजनीतिक हित साधने में हो रहा है।कई पत्रकार, लेखक, कवि एवं रचनाधर्मियों ने कलम और कागज के माध्यम से आजादी की आग को घी-तेल देने का काम किया। प्रेस की आजादी को लेकर आज कई सवाल उठ रहे है। पत्रकार और पत्रकारिता के बारे में आज आमजन की राय क्या है? क्या भारत में पत्रकारिता एक नया मोड़ ले रही है? क्या सरकार प्रेस की आजादी पर पहरा लगाने का प्रयास कर रही है? क्या बेखौफ होकर सच की आवाज को उठाना लोकतंत्र में 'आ बैल मुझे मार' अर्थात् खुद की मौत को सामने से आमंत्रित करना है? ये कुछ ऐसे सवाल है जो आज हर किसी के जेहन में उठ रहे हैं। मीडिया में आम आदमी की समस्याओं से इतर होकर अनुपयोगी रियल्टी शो संचालित होने लग गए है। पत्रकारिता की जनहितकारी भावनाओं को आहत किया जा रहा है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि मीडिया की स्वतंत्रता का मतलब कदापि स्वच्छंदता नही है। खबरों के माध्यम से कुछ भी परोस कर देश की जनता का ध्यान गलत दिशा की ओर ले जाना कतई स्वीकार्य नहीं किया जा सकता। मीडिया की अति-सक्रियता लोकतंत्र के लिए घातक सिद्ध हो रही है। निष्पक्ष पत्रकार पार्टी के एजेंट बन रहे हैं। एक बड़ा पत्रकार तबका सत्ता की गोद में खेल रहा है। आदर्श और ध्येयवादी पत्रकारिता धूमिल होती जा रही है व पीत पत्रकार का पीला रंग तथाकथित पत्रकारों पर चढ़ने लग गया है। हिंदी प्रिंट पत्रकारिता आज किस मोड़ पर खड़ी है, यह किसी से ?छिपा हुआ नहीं है। उसे अपनी जमात के लोगों से तो लोहा लेना पड़ रहा है साथ ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चुनौतियां भी उसके सामने हैं। ऐसे में यह काम और मुश्किल हो जाता है। एक बात और...हिंदी पत्रकारिता ने जिस 'शीर्ष' को स्पर्श किया था, वह बात अब कहीं नजर नहीं आती। इसकी तीन वजह हो सकती हैं, पहली अखबारों की अंधी दौड़, दूसरा व्यावसायिक दृष्टिकोण और तीसरी समर्पण की भावना का अभाव। पहले अखबार समाज का दर्पण माने जाते थे, पत्रकारिता मिशन होती थी, लेकिन अब इस पर पूरी तरह से व्यावसायिकता हावी है। इसमें कोई दो मत नहीं कि हिंदी पत्रकारिता में कुछ संपादक और पत्रकार ऊँचे दर्जे के रहे हैं, जिन्होंने अपनी कलम से न केवल अपने अपने अखबारों को शीर्ष पर पहुंचाया, बल्कि अंग्रेजी के नामचीन अखबारों को भी कड़ी टक्कर दी। आज वे हमारे बीच में नहीं है, लेकिन उनके कार्यकाल में हिन्दी पत्रकारिता ने जिस सम्मान को स्पर्श किया, वह अब कहीं देखने को नहीं मिलता। दरअसल, अब के संपादकों की कलम मालिकों के हाथ से चलती। हिन्दी पत्रकारिता आज कहां है, इस पर ?निश्चित ही गंभीरता से सोच-विचार करने की जरूरत है। पत्रकारिता जनता और नीति-निर्माताओं के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाती है। इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका एक पत्रकार निभाता है। ये पत्रकार कुलीन वर्ग द्वारा बोले गये संदेश को सुनते हैं और उन्हें रिकॉर्ड करते हैं। तत्पश्चात सूचनाओं को संसाधित किया जाता है और जनता के हितार्थ सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है। पत्रकारों को सूचना के सन्दर्भ में देश की अखंडता, सूचना की तटस्थता, वैधता और सार्वजनिक जवाबदेही के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। साथ ही पत्रकारिता के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए ताकि जनता में स्वच्छ सूचना का न केवल प्रसारण हो सके वल्कि उससे जनता लाभान्वित हो सके।

आरोपी छात्रा और युवक की रोहड़ू में हुई थी दोस्ती

(आधुनिक समाचार सेवा)

चंडीगढ़। पुलिस छानबीन कर रही है कि आखिर सनी को ऐसे वीडियो छात्रा क्यों भेजती थी। दोनों में दोस्ती ही है या छात्रा को युवक ब्लैकमेल तो नहीं कर रहा था। हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में छात्राओं के वीडियो वायरल करने के मामले में आरोपी छात्रा और युवक सनी की दोस्ती शिमला के रोहड़ू में हुई थी। लंबे समय से वे फोन से एक दूसरे के संपर्क में थे। पुलिस छानबीन कर रही है कि आखिर सनी को ऐसे वीडियो छात्रा क्यों भेजती थी। दोनों में दोस्ती ही है या छात्रा को युवक ब्लैकमेल तो नहीं कर रहा था। हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। युवक रोहड़ू में बेकरी की दुकान

पर कार्य करता है। पंजाब पुलिस रविवार रात को आरोपी युवक को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई है। आरोपी युवक सनी मेहतो रोहड़ू के खंगटेड़ी गांव का रहने वाला है। युवक का चंडीगढ़ आना-जाना नहीं है। बावजूद इसके युवक का नाम मामले में सामने आया है। आरोप है कि छात्रा ने अपने दोस्त सनी को वीडियो भेजा है। मामले में पंजाब पुलिस ने रोहड़ू पहुंचकर आरोपी युवक को स्थानीय पुलिस की सहयोग से गिरफ्तार किया है। युवक से पूछताछ के लिए पंजाब पुलिस उसे अपने साथ ले गई है। छात्राओं की वीडियो वायरल होने के मामले में युवक की संलिप्तता का पता पुलिस की छानबीन के बाद ही पता चल पाएगा। डीएसपी रोहड़ू चमन लाल ने बताया कि पंजाब पुलिस ने उन्हें मामले की सूचना मिली थी। इसके बाद युवक को रोहड़ू पुलिस थाने लाया गया है। इसके बाद युवक को पंजाब पुलिस के हवाले कर दिया गया है। मामले में आगामी कार्रवाई पंजाब पुलिस ही करेगी।

रोहित शेट्टी ने इस हफ्ते दो कंटेस्टेंट्स को किया बाहर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 12 में इस हफ्ते सभी सेलेब्स फिनाले में पहुंचने के लिए जंग कर रहे थे। चार कंटेस्टेंट्स पहले ही फिनाले के लिए क्वालीफाई कर गए थे और पीछे चार कंटेस्टेंट छूट गए थे। जिन्हें को एक जेट स्की को पीछे से पकड़ना था और कुछ दूर तक घसीटते हुए जाना था। इसके बाद उड़ते हुए चॉपर पर लटकते हुए कुछ दूर हवा में सफर करना था और आखिर में फिर से पानी में कूदते हुए फ्लैग को क्लिप करना था। टास्क के लिए पहले मोहित गए उन्होंने पूरे जोश के साथ और उन्होंने 8 फ्लैग्स ही गिराए जबकि कनिका ने 10 फ्लैग्स गिराकर टास्क जीत लिया और फिनाले में पहुंच गईं। एलिमिनेशन राउंड के लिए राजीव और निशांत को मुकाबला करना था, लेकिन पानी वाले टास्क ने निशांत की हालत इतनी खराब कर दी कि डॉक्टर्स ने उन्हें किसी भी तरह

रोहित शेट्टी ने आगे बढ़ने का एक और मौका दिया। स्टंट से ज्यादा 18 सितंबर के एपिसोड में एलिमिनेशन ने चौंकाया क्योंकि केकेके 12 से इस बार एक नहीं दो खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। तुषार कालिया, रुबीना दिलैक, जनन्त जुबैर और फैजल शेख के फिनाले राउंड में पहुंच के बाद मोहित मलिक, कनिका मान, निशांत भट्ट और राजीव अदातिया पीछे रह गए थे। उन्होंने रविवार को आगे बढ़ने के लिए कंपीट किया। पहला टास्क मोहित और निशांत को करना था। ये टास्क काफी थका देने वाला था। टास्क की शुरुआत कंटेस्टेंट को कड़कती ठंड में पानी में फेंकने से होती है। पानी में जाने के बाद कंटेस्टेंट टास्क को परफॉर्म किया, लेकिन बाद में उनकी तबीयत खराब हो गई और कुछ देर के लिए उनकी याददाश्त भी चली गई। उनके बाद निशांत भट्ट गए और उन्होंने भी शानदार परफॉर्मेंस दी, लेकिन टास्क के अंत में उन्हें फ्लैग लगाने में समय लग गया। जब रिजल्ट की बारी आई तो मोहित ने इस टास्क को 3 मिनट 33 सेकेंड में पूरा किया जबकि निशांत को 3 मिनट 45 सेकंड लग गए और इसके साथ ही मोहित जीतकर फिनाले में पहुंच गए। वहीं, निशांत एलिमिनेशन राउंड में पहुंच गए। अगले टास्क के लिए कनिका और राजीव गए। इस टास्क में कार से चलती ट्रक पर लगे 20 फ्लैग्स को गिराना था। टास्क के लिए पहले राजीव गए का टास्क करने से मना कर दिया। शो में टास्क न परफॉर्म कर पाने की स्थिति में रोहित ने उन्हें सीधा एलिमिनेट कर दिया। निशांत के बाद राजीव अकेले रह गए तो रोहित ने टास्क को पहले रुबीना से कराकर एक बेंच मार्क सेट किया और राजीव को उनसे बेहतर परफॉर्म करने के लिए कहा। टास्क में हवा लटकते हुए पोल पर रेंगते हुए जाना था और फ्लैग्स निकालने थे जबकि अंत में हवा में उड़ते हुए फ्लैग को छलांग लगाकर पकड़ना था। रुबीना तो टास्क अच्छे से कर दिया। हालांकि, वह इसे पूरा नहीं कर पाई। वहीं, राजीव टास्क शुरू करते ही हार गए और खतरों के खिलाड़ी से एलिमिनेट हो गए।

मुफ्त में देख सकते हैं सनी देओल और दुलकर सलमान की फिल्म, बहुत आसान है बुकिंग प्रोसेस

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सनी देओल एक लंबे समय के बाद स्क्रीन पर लौट रहे हैं। एक्शन हीरो फिल्म 'चुप' से जल्द ही सिनेमाघरों में अपने दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। इस 'साइको थ्रिलर' फिल्म में पहली बार सनी देओल दिखाया था, तो वहीं अब 'चुप' के मेकर्स भी फैंस के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग रखने जा रहा हैं। खास बात ये है कि फैंस अपने चहेते सितारे सनी देओल और सीता रामम स्टार दुलकर सलमान की फिल्म 'चुप' को बिलकुल फ्री देख पाएंगे, लेकिन 'साइको थ्रिलर' फिल्म 'चुप' के लिए बुकिंग कर सकते हैं। एक यूजर 2 से अधिक टिकट बुक नहीं कर सकता है। उपलब्धता के आधार पर ही लोगों को फ्री टिकट मिल पाएंगी। फिल्म की टिकट आप बुक माय शो पर जाकर बुक कर सकते हैं। 'चुप'

के साथ साउथ स्टार दुलकर सलमान की जोड़ी ऑडियंस को देखने को मिलेगी। इस फिल्म का ट्रेलर जब से आया है, तब से ही ऑडियंस में इस फिल्म को देखने की उत्सुकता बढ़ गई है। अब सनी देओल और दुलकर सलमान के फैंस के लिए मेकर्स एक और बहुत बड़ा सरप्राइज लाए हैं जिसे जानकर आपके चेहरे पर बड़ी सी मुस्कराहट आ जाएगी। विक्रम वेधा के मेकर्स ने जहां ट्रेलर रिलीज से पहले 10 अलग-अलग शहरों में फैंस को फिल्म का ट्रेलर टिकट बुकिंग के लिए एक लिमिटेड समय होगा। दुलकर सलमान ने अपने ट्विटर अकाउंट के जरिए फैंस को बताया कि वह कैसे फ्री में उनकी फिल्म चुप को एन्जॉय कर सकते हैं। सनी देओल और दुलकर सलमान की फिल्म 'चुप' की स्क्रीनिंग मुंबई के अलावा अहमदाबाद, लखनऊ, जयपुर, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, कोची, कोलकाता, हैदराबाद और चेनर्ई इन 11 शहरों में होगी। आज 12 बजे से फिल्म की बुकिंग ओपन हो रही है। 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग ही की स्क्रीनिंग आप फिल्म रिलीज से एक दिन पहले गुरुवार को एन्जॉय कर सकते हैं। सनी देओल और दुलकर सलमान स्टारर फिल्म 'चुप' 23 सितंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म ने सनी देओल एक लम्बे समय के बाद पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे, तो वही दुलकर सलमान का फिल्म में क्या किरदार होगा इस बार अभी भी सस्पेंस कायम है। इस फिल्म का निर्देशन आर बाल्की ने किया है।

अब वाइल्ड कार्ड बनकर आईं ये स्पोर्ट्स प्लेयर

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। झलक दिखला जा सीजन 10 का दूसरा हफ्ता शुरू हो चुका है और इस सीजन में कई बड़े सितारे नजर आ रहे हैं। इस डांस रियलिटी शो में शुरुआत से ही कई ट्विस्ट एंड टर्न देखने को मिल रहे हैं। शो

से जहां दूसरे ही हफ्ते 'द कपिल शर्मा शो' की दादी यानी कि अली असगर बाहर हो चुके हैं। तो वहीं निया शर्मा सबसे ज्यादा मार्क्स के साथ इस हफ्ते एलिमिनेशन से सुरक्षित हो चुकी है। झलक दिखला जा में डांस का लेवल और भी हाई हो चुका है और अब शो में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री हो चुकी है। वाइल्ड कार्ड एंट्री के रूप में एथलीट रवीना दुती चंद पहली कंटेस्टेंट के तौर पर आई हैं। स्पोर्ट्स के मैदान में अपना धाकड़ अंदाज दिखाने के बाद और 11.7 सेकंड में 100 मीटर रेस में रिकॉर्ड बनाने वालीं रवीना दुती चंद अब डांस के मैदान में अपना जलवा दिखाने के लिए बिलकुल तैयार। बचपन से ही घर के मुश्किल हालातों से लड़कर कॉमनवेल्थ गेम्स सहित कई नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर गोल्ड और सिल्वर मेडल हासिल करने वालीं रवीना दुती चंद ने आते ही अपनी कोरियोग्राफर पार्टनर के साथ ऐसा शानदार परफॉर्मेंस दिया, जिसके देखकर माधुरी दीक्षित से लेकर करण जौहर तक हर किसी के चेहरे पर मुस्कान आ गई स्पोर्ट्स के मैदान में अपनी पहचान बनाने के लिए उतरीं दुती चंद के नाम से मशहूर रवीना दुती का सिर्फ बचपन ही गरीबी में नहीं बीता, बल्कि झलक दिखला जा में माधुरी ने ये भी बताया कि जब उन्होंने समलैंगिकता की बात दुनिया के सामने रखी तो उन्हें काफी मुश्किल भरे हालातों से गुजरना पड़ा। जब रवीना झलक दिखला के मंच पर आईं तो वह काफी इमोशनल हो गईं और अपनी जर्नी के बारे में बताते हुए उनकी आंखों से आंसू बह निकले। झलक दिखला जा सीजन 10 में अली असगर के निकलने के बाद, निया शर्मा, रुबीना दिलैक, फैसल शेख, पारस कलनावत, शिल्पा शिंदे, गश्मीर, धीरज धूपर बचे हुए हैं। इस शो को मनीष पॉल होस्ट कर रहे हैं। यह शो हर शनिवार और रविवार को रात 8 बजे ऑन एयर होता है।

जैकलीन फर्नांडीज से सोमवार को दिल्ली पुलिस फिर करेगी पूछताछ

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक बार फिर से पूछताछ के लिए सोमवार यानी 19 सितंबर को सुबह 11 बजे आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लूयू) के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया है। के अनुसार, दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने जैकलीन फर्नांडीज को नया समन जारी करते हुए सोमवार सुबह 11 बजे पेश होने के लिए कहा है। इससे पहले एक्ट्रेस को दिल्ली पुलिस की आर्थिक शाखा ईओडब्लूयू ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने दिल्ली स्थित कार्यालय पर लगभग 8 घंटे पूछताछ की थी। जिसके बाद जानाकारी आईं थीं कि जैकलीन फर्नांडीज महाठग की सच्चाई जानने के बाद भी उसके संपर्क में थीं और सुकेश से शादी करने का भी मन बना रही थीं।

वहीं, बात अगर जैकलीन फर्नांडीज के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही अक्षय कुमार की फिल्म राम सेतु में नजर आने वाली हैं।

लड़खड़ाती हुईं पब के बाहर की गईं स्पॉट, ट्रोल्स बोले- ड्रगीवुड से रखें बच्चों को सावधान

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। बॉयकॉट ट्रेंड के बीच सारा अली खान का एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसे देखकर एक बार फिर बॉलीवुड कल्चर सवालों के घेरे में आ गया है। सारा का वीडियो देखने के बाद लोग यही कह रहे हैं कि ये ड्रगीवुड, फ्यूचर जेनरेशन को खराब कर रहा है। आज की जनरेशन नए एक्टर्स को अपना आइकन मानती है। लेकिन इन्हीं एक्टर्स के नशे में होने के जिस तरह के फोटो और वीडियो सामने आते हैं, वह सवाल खड़े कर देती है। वीडियो को वरुण कपूर नाम के शख्स ने शेयर किया है। सारा अली खान के वायरल हो रहे वीडियो को देखकर एक बार फिर फैंस उन पर भड़क गए हैं। यह वह वीडियो है, जिसमें सारा लड़खड़ाती हुई चल रही हैं। लोगों का मानना है कि सारा इतने नशे में हैं कि वह ठीक से खुद को बैलेंस तक नहीं कर पा रहीं। वह अकेले लिफ्ट तक भी नहीं जा पा रहीं। उनकी दोस्त उन्हें हाथ पकड़ते हुए सीढ़ियों तक ले जा रही है। इस बीच, जब पैपराजी ने सारा को कैप्चर करने की कोशिश की, तो वह हल्की स्माइल देकर वहां से निकल गईं। इस वीडियो पर दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ने सारा को खरी खोटी सुनाई है।

कुबूल है शो की एक्ट्रेस निशी सिंह का 50 वर्ष की आयु में हुआ निधन

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। कुबूल है शो में नजर आने वाली निशी सिंह का रविवार को निधन हो गयात् उन्होंने दो दिन पहले ही अपना 50वां जन्मदिन मनाया था वह पिछले 3 वर्षो से बीमार इनमें 21 साल का बेटा और 18 साल की बेटी शामिल है। संजय लेखक और अभिनेता है। उन्होंने सितंबर 2020 में लोगों से पैसे की मदद भी मांगी थीत् निशी को फरवरी 2019 में पैरालिसिस का

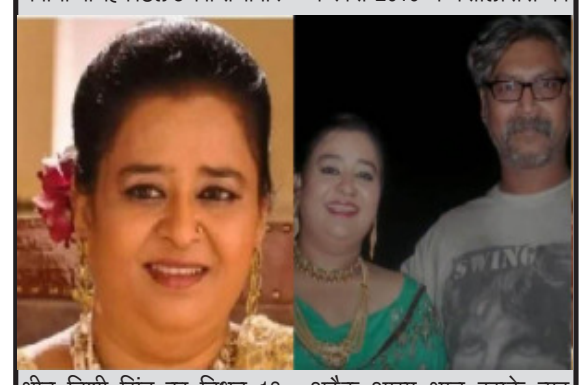

थीत् निशी सिंह का निधन 18 सितंबर को हुआ है। उनके पति संजय सिंह भड़ली ने निशी सिंह के निधन की पुष्टि की है। उन्होंने यह भी बताया कि मेडिकल कॉम्प्लिकेशन की वजह से निशी का निधन हुआ है और उन्होंने 2 दिन पहले ही अपना 50वां जन्मदिन मनाया था निशी सिंह अब अपने पीछे पति और दो बच्चे छोड़ गई अटैक आया थात् इसके बाद अगला फरवरी 2020 में आया था। संजय ने यह भी कहा कि वह ठीक हो रही थी लेकिन उनकी कंडीशन एक बार फिर खराब होने लगी निशी को इस साल मई में स्ट्रोक आया था। संजय ने यह भी कहा कि निशी सिंह के जाने से परिवार में दो तकलीफ आई है।

सनी देओल और अमीषा पटेल अभिनीत 'गदर 2' को लेकर आया बड़ा अपडेट जल्द शुरू होगी शूटिंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। सनी देओल जल्द ही आर. बाल्की की साइकोलोजिकल फिल्म चुप से बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में वो एक पुलिस आधिकारी की भूमिका में नजर आने वाले हैं, जहां वो एक साइकोलोजिकल किलर की तलाश में संघर्ष करते हुए दिखाई देंगे। अब उन्होंने अपनी मोस्ट अवेडेट आगामी फिल्म गदर 2 को लेकर बात की है और फिल्म की रिलीज को लेकर भी जानकारी साझा की है।

जल्द शुरू होगी शूटिंग बीजेपी सांसद और अभिनेता सनी देओल ने समाचार वेबसाइट पिंकविला को इंटरव्यू के अनुसार सनी देओल ने कहा, मैं अपनी इस फिल्म को लेकर काफी आश्वस्त हूं। मैं जिससे भी मिलता हूं कुछ देखना चाहता हूं और हम उन्हें गदर एक प्रेम कथा में दे रहे हैं। हम अक्टूबर में शूटिंग को फिर से शुरू करेंगे और दिसंबर तक इसको पूरा कर लेंगे। ये फिल्म साल 2023 की शुरुआत में रिलीज होगी।सनी देओल, अमीषा पटेल द्वारा अभिनीत इस सुपरहिट फिल्म गदर का सीक्वल है। इस सुपरहिट फिल्म को अनिल शर्मा के निर्देशन में बनाया गया था और इस फिल्म का सीक्वल भी अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित है। 'गदर 2' सनी की फिल्म गदर एक प्रेम कथा का सीक्वल बताया जा रहा है। फिल्म में भारत पाकिस्तान के एंगल को आगे बढ़ाया जाएगा। वहीं, फिल्म में उनके बेटे का रोल निभाने वाले बाल कलाकार उत्कर्ष शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। शक्तिमान द्वारा लिखी फिलम 'गदर 2' को अनिल शर्मा के निर्देशित कर रहे हैं। आपको बता दें, गदर एक प्रेम कथा के सीक्वल की शूटिंग पिछले साल पालमपुर में शुरू की गई थी, जिसमें बाद मेकर्स ने अपनी इस फिल्म की लखनऊ शेड्यूल की शूटिंग को पूरा किया है। वहीं, बात अगर सनी देओल के वर्कफ्रंट की करें तो वो जल्द ही साइकोलोजिकल थ्रिलर फिल्म चुप में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ दुलकर सलमान, श्रेया धन्वंतरी, पूजा भट्ट भी मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं।

स्क्विड गेम के निर्देशक का खुलासा, सक्सेशन से एमी अवॉर्ड हारने के बाद हुईं थी निराशा

(आधुनिक समाचार सेवा)
नई दिल्ली। स्क्विड गेम के निर्देशक ह्वांग डोंग हुय्क ने खुलासा किया है कि जब उन्हें बेस्ट ड्रामा सीरीज के लिए एमी अवार्ड नहीं मिला तब उन्हें काफी निराशा हुई क्योंकि वे इसे जीतकर अपनी टीम के साथ साझा करना चाहते थे हाल ही में एमी अवार्ड लॉस एंजलिस में संपन्न हुए है कोरियन शो स्क्विड गेम पहला नॉन इंग्लिश लैंग्वेज सीरीज बना है जोकि बेस्ट ड्रामा में नॉमिनेट हुआ था हालांकि यह एचबीओ सीरीज सक्सेशन से हार गया, जिसे 25 नॉमिनेशन मिले थे और जिसमें से वह 4 जीत गया हैत् इसमें बेस्ट ड्रामा सीरीज भी शामिल है स्क्विड गेम के निर्देशक ह्वांग डोंग हुय्क ने कहा कि जब उन्हें इस बात का पता चला कि उन्हें पुरस्कार नहीं मिला है, तब उन्हें थोड़ी निराशा भी हुई वहीं स्क्विड गेम के अभिनेता ली जंग जय ने इतिहास रचा है वे पहले एशियाई अभिनेता बने, जिन्हें ड्रामा सीरीज में लीड एक्टर के लिए एमी अवॉर्ड से सम्मानित किया गयात् वहीं शो ली मी यू पहली कोरियन फीमेल एक्टर्स बनी, जिन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवार्ड दिया गयात् इसके अलावा स्क्विड गेम को तीन और अवार्ड दिए गए हैं, जिनमें विजुअल इफेक्ट, स्टंट परफॉर्मेंस और प्रोडक्शन डिजाइन शामिल हैत् वहीं स्क्विड गेम के निर्देशक ह्वांग डोंग हुय्क को ड्रामा सीरीज डायरेक्शन के लिए भी पुरस्कार मिला है लेकिन निर्देशक बेस्ट ड्रामा सीरीज की ट्रॉफी जीतना चाहते थे, जिसे नहीं मिलने से उन्हें निराशा हुई है राइटर में छपी खबर के अनुसार स्क्विड गेम के निर्देशक ह्वांग डोंग हुय्क ने यह बातें सियोल में हुए एक प्रेस कांफ्रेंस में कही है उन्होंने कहा, 'जी हां, हम बेस्ट ड्रामा सीरीज में जीतना चाहते थे क्योंकि मैं पूरी टीम के साथ स्टेज पर जाना चाहता थात् मैं उस क्षण का इंतजार करता रहा था, जब मैने एस सुना तो मुझे लगा कि हमारे स्क्विड गेम का नाम आएगा लेकिन सक्सेशन का नाम लिया गया तो मुझे थोड़ी निराशा हुई।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।